@Kamal.Sandesh KamalSandeshLive kamalsandesh.org kamal.sandesh @KamalSandesh

कमल संदेश

11 राज्यों में हुए उपचुनावों में भाजपा की शानदार जीत

वर्ष-15, अंक-22 16-30 नवम्बर, 2020 (पाक्षिक) ₹20

बिहार की आकांक्षाओं की जीत

जनता ने गुंडाराज एवं भ्रष्टाचार को नकार कर सुशासन को स्वीकार किया

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की भारी जीत के बाद नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के भव्य स्वागत का एक दृश्य

श्री लालकृष्ण आडवाणी को उनके जन्मदिन पर शुभकामना देते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

श्री लालकृष्ण आडवाणी के आवास पर उन्हें जन्मदिन की शुभकामना देते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

पश्चिम बंगाल प्रवास के दौरान बांकुड़ा में एक जनजातीय कार्यकर्ता के घर भोजन करते केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 राजग को स्पष्ट जनादेश

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शानदार जीत दर्ज की। राज्य में मुख्य मुकाबला राजग और महागठबंधन के बीच रहा। 243 सदस्यीय विधानसभा में राजग ने 125 सीटें जीत कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि महागठबंधन को 110 सीटें मिलीं। राजग में शामिल...

श्रद्धांजलि

नहीं रहे गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल 26

वैचारिकी

राष्ट्र की सुरक्षा के प्रश्न को सर्वोपरि महत्त्व दिया जाए
दीनदयाल उपाध्याय 24

मन की बात

खरीदारी के समय स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें: नरेन्द्र मोदी 33

अन्य

विधानसभा उपचुनावों में भाजपा की जीत 15

भाजपा ने लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद चुनावों में जीत हासिल की 17

भाजपा के लिए कार्यालय केवल ऑफिस नहीं होता, बल्कि यह पार्टी कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने का केंद्र होता है: जगत प्रकाश नड्डा 20

आत्मनिर्भर भारत 3.0 के तहत 2.65 लाख करोड़ रुपये की घोषणा 21

'वन रैंक वन पेंशन' के तहत 42,740 करोड़ रुपए हुए वितरित 23

पीएसएलवी-सी49 ने 10 उपग्रहों को सफलतापूर्वक कक्षा में किया स्थापित 23

भारत और अमेरिका ने महत्वपूर्ण रक्षा समझौते 'बीईसीए' पर किया हस्ताक्षर 27

स्वास्थ्य सुविधाओं का केंद्र बनता जा रहा है वाराणसी: नरेन्द्र मोदी 30

'विचारधारा राष्ट्र हित में हो, इसके खिलाफ कतई नहीं' 32

11 बिहार के विकास के संकल्प को सिद्ध करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 नवंबर, 2020...

13 जनता ने बता दिया कि 'बिहार में विकास बा': जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 नवंबर 2020 को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में बिहार विधान...

18 बंगाल के गरीबों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए ममता सरकार को उखाड़कर फेंकिए: अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह अपने दो दिवसीय पश्चिम बंगाल दौरे के प्रथम दिन...

28 भारत अपनी संप्रभुता और अस्मिता की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार...

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर को गुजरात के केवड़िया में लौह पुरुष सरदार...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

आज सिस्टम में जितने रिफॉर्म्स किए जा रहे हैं, उनके पीछे भारत को हर प्रकार से बेहतर बनाने का संकल्प है। आज हो रहे रिफॉर्म्स के साथ नीयत और निष्ठा पवित्र है। आज रिफॉर्म्स से पहले एक सुरक्षा कवच तैयार किया जा रहा है। इस कवच का सबसे बड़ा आधार है- विश्वास।

जगत प्रकाश नड्डा

एक दीया उनके नाम, जिनकी वीरता से रोशन होता है सारा देश! आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर इस दीपावली एक दीया हमारे वीर सैनिकों के सम्मान में अवश्य जलायें। मैं नमन करता हूं उन परिवारों को, जिनके चिराग़ों के शौर्य से पूरा देश जगमगाता है।

अमित शाह

वर्तमान वित्तीय वर्ष में पीएम गरीब कल्याण रोजगार योजना में 10,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बजट देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार व्यक्त करता हूं। इससे कोरोना काल में लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, ग्रामीण ढांचा मज़बूत होगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

राजनाथ सिंह

सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास यही वह मार्ग है जिस पर सरकार, संगठन और गठबंधन मिल कर काम कर रहे हैं। ग़रीबों की सेवा और कल्याण के भाव ने जनता के बीच भाजपा की साख बढ़ाई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा आज सुशासन एवं जनकल्याण की पर्यायवाची बन गयी है।

बी. एल. संतोष

बिहार चुनाव और देश के अन्य राज्यों में हुए उपचुनावों में भाजपा की भारी जीत के दो सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक रहे। पहला, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से कोविड-19 संकट के दौरान देश का नेतृत्व किया और दूसरा, जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में जिस प्रकार पार्टी ने बड़े पैमाने पर 'फीड द नीडी' कार्यक्रम चलाया। सक्षम नेतृत्व को धन्यवाद।

थावरचंद गहलोत

यशस्वी पीएम मोदी जी के नेतृत्व में कैबिनेट ने DRIP के फेज II व फेज III को मंजूरी देकर जल संरक्षण की ओर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। देश भर में चयनित 736 बांधों की सुरक्षा और परिचालन को बेहतर बनाने के लिए 10,211 करोड़ रुपये की यह परियोजना अप्रैल 2021 से मार्च 2031 तक लागू की जाएगी।

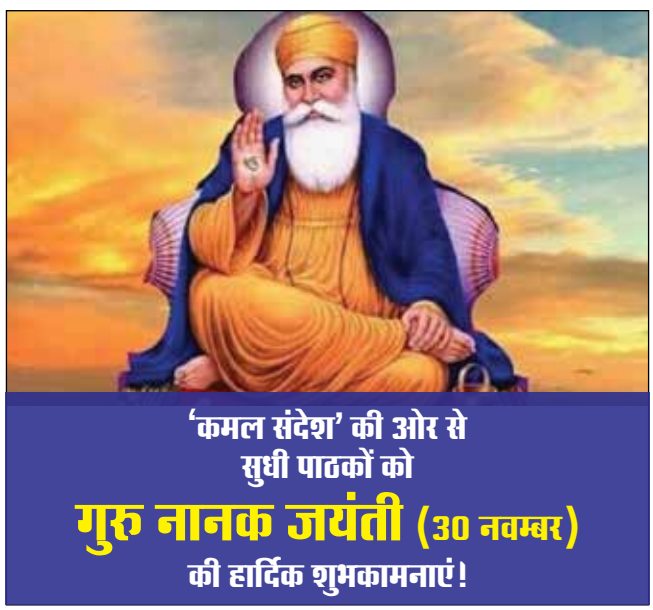

बिहार का स्पष्ट जनादेश

बिहार के लोगों ने अपने दिल की बात कह दी। पूरे देश में भी जनता ने अपने दिल की बात स्पष्ट कर दी। बिहार में मिले जबरदस्त जनादेश को देश के विभिन्न भागों में हुए उपचुनावों में भाजपा की जीत से देशव्यापी समर्थन मिला है। बिहार में मिले स्पष्ट एवं सुदृढ़ जनादेश की गूंज देश के कोने-कोने में मिली शानदार जीत में सुनाई पड़ रही है। देश की जनता एक-दूसरे के स्वर में स्वर मिलाकर भाजपा एवं राजग के समर्थन में एकजुट है तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपनी अटूट आस्था व्यक्त कर रही है। नकारात्मक राजनीति, झूठे दुष्प्रचार एवं दुर्भावनापूर्ण एवं विद्वेषपूर्ण राजनीति को एक बार पुनः पराजय का मुंह देखना पड़ा है। वास्तव में देखा जाए तो यह एक उभरते भारत की आहट है जो कोविड-19 महामारी के सामने भी रुकता नहीं, बल्कि नए संकल्प लेकर नई गाथाएं रचता है। आज जब विश्व के विकसित देश भी कोविड-19 महामारी के सामने त्राहिमाम कर रहे हैं, भारतीय लोकतंत्र की सफलता पूरी दुनिया को चमत्कृत कर रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विजय के अवसर पर अपने संबोधन में ठीक ही कहा कि अपने जनादेश से लोकतांत्रिक शक्तियों को मजबूत कर बिहार ने यह प्रमाणित कर दिया है कि वह लोकतंत्र की धरती है। एक ओर जहां राजग 'आत्मनिर्भर बिहार' की भविष्योन्मुखी कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश को आगे ले जाने को कृतसंकल्पित है, वहीं दूसरी ओर राजद, कांग्रेस एवं कम्युनिस्टों का गठजोड़ जातिवाद, वंशवाद एवं पाखंड पर आधारित विभाजनकारी एवं प्रतिगामी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करता है। बिहार की जनता लालू कुशासन के 'जंगलराज' के वो 15 वर्ष कभी न भूल पाएगी जब प्रदेश न केवल अवनति के दल-दल में फंस गया था, बल्कि अपराधियों एवं माफियाओं के राज में आए दिन हिंसा, अपहरण एवं कुशासन को सहने पर मजबूर था। हर स्तर पर व्यापक भ्रष्टाचार, सरकारी खजाने की भारी लूट एवं आपराधिक तंत्र को संरक्षण के कारण समाज के हर वर्ग का जीना मुहाल हो गया था। राजग सरकार ने न केवल बिहार को हिंसा, भ्रष्टाचार एवं कुशासन के दमन चक्र से बाहर निकाला, बल्कि प्रदेश में सुशासन एवं विकास का मार्ग प्रशस्त किया। बिहार, न केवल लालू कुशासन के 'जंगलराज' को पीछे छोड़ अब आगे बढ़ा है, बल्कि इसने विकास एवं सुशासन के कई मानदंडों पर अपनी उपलब्धियों से पूरे देश में एक संदेश दिया है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने ठीक ही कहा है कि बिहार की जनता ने 'लालटेन राज' की जगह पर 'एलईडी राज' चुनकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अपने दृढ़ विश्वास को एक बार पुनः प्रदर्शित किया है।

बिहार, न केवल लालू कुशासन के 'जंगलराज' को पीछे छोड़ अब आगे बढ़ा है, बल्कि इसने विकास एवं सुशासन के कई मानदंडों पर अपनी उपलब्धियों से पूरे देश में एक संदेश दिया है

बिहार के साथ-साथ, मध्यप्रदेश उपचुनावों में भारी विजय, गुजरात में सभी सीटों पर विजय, उत्तर प्रदेश, मणिपुर, तेलंगाना एवं कर्नाटक में जबरदस्त जीत, लद्दाख हिल काउंसिल एवं दादर एवं नगर हवेली स्थानीय निकायों में मिली विजयश्री से पूरे देश में भाजपा के प्रति उमड़ते जनसमर्थन का पता चलता है। भाजपा पूर्व से पश्चिम एवं उत्तर से दक्षिण तक व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर यह प्रमाणित करने में सफल रही है कि सकारात्मक राजनीति को देश की जनता का भरपूर आशीर्वाद मिलता है। जो राजनैतिक दल, देशहित तक पर चोट करते हुए नकारात्मक राजनीति में झूठ एवं फरेब का सहारा लेकर दुष्प्रचार में संलिप्त हैं, उन्हें जनता चुनावों में बार-बार धूल चटाकर दंड दे रही है। कोविड-19 महामारी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जिस प्रकार से देश का नेतृत्व किया और गरीब से गरीब व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक, किसान, प्रवासी मजदूर, महिला, दिव्यांग और समाज के अन्य वर्गों को भारी राहत दी तथा हर क्षेत्र में भारी सुधार शुरू किए, देश का मनोबल ऊंचा रखा एवं भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं ने 'सेवा ही संगठन' कार्यक्रम के माध्यम से करोड़ों लोगों की जिस प्रकार सेवा की, उसे पूरे देश ने कोने-कोने में भारी समर्थन दिया है। 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के अंतर्गत देश के बढ़ते हुए कदमों को जन-जन का जबरदस्त समर्थन प्राप्त हो रहा है, जिससे देश हर चुनौती को अवसर में बदलते हुए एक नए भारत का पथ प्रशस्त कर रहा है।

shivshakti@kamalsandesh.org

राजग को पूर्ण बहुमत

विकास कार्यों की जीत

बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष द्वारा सच्चाई को दबा कर दुष्प्रचार के जरिये जनता को गुमराह करने का प्रयास हुआ, लेकिन प्रदेश की जनता ने गुंडाराज के बजाय विकासराज को चुना

बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने शानदार जीत दर्ज की। राज्य में मुख्य मुकाबला राजग और महागठबंधन के बीच रहा। 243 सदस्यीय विधानसभा में राजग ने 125 सीटें जीत कर स्पष्ट बहुमत प्राप्त कर लिया, जबकि महागठबंधन को 110 सीटें मिलीं। राजग में शामिल भारतीय जनता पार्टी ने 74, जनता दल (यूनाइटेड) ने 43, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर) और विकासशील इंसान पार्टी ने 4-4 सीटों पर विजय प्राप्त की, वहीं महागठबंधन में शामिल राष्ट्रीय जनता दल को 75, कांग्रेस को 19, भाकपा माले को 12, माकपा और भाकपा को 2-2 सीटें मिलीं।

बिहार विधानसभा चुनाव तीन चरणों में संपन्न हुआ। पहले चरण में 28 अक्टूबर को 71, दूसरे चरण में 3 नवंबर को 94 और तीसरे और आखिरी चरण में 7 नवंबर को 78 सीटों पर मतदान हुआ। उल्लेखनीय बात यह है कि ये चुनाव कोविड-19 महामारी के बीच संपन्न हुए।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चुनावों में 59.7 फीसद महिला मतदाताओं ने मतदान किया, जबकि इसके बनिस्पत 54.7 फीसद पुरुष मतदाताओं ने ही मतदान किया। इस बार कुल 57.05 प्रतिशत मतदान हुआ।

बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टियों की जीत का प्रतिशत देखें तो इसमें भाजपा ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। भाजपा के 66.4 प्रतिशत प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की। जदयू के 37.4 प्रतिशत, हम के 57.1 प्रतिशत, वीआईपी के 30.8 प्रतिशत, राजद का 52.8 प्रतिशत, कांग्रेस का 27.1 और वाम दलों की जीत का प्रतिशत 55.2 रहा।

ध्यातव्य है कि बिहार में राजद के 15 साल के शासनकाल में कानून-व्यवस्था की बुरी स्थिति थी। कल-कारखाने बंद हुए। अपहरण उद्योग बना। डर से शहर में दुकानें शाम को बंद हो जाती थीं। लोग सूर्यास्त के बाद घर से बाहर निकलने से डरते थे। भ्रष्टाचार चरम पर था। स्थिति ऐसी हो गई कि करोड़ों रुपये के चारा घोटाले के मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री रहे लालू प्रसाद वर्तमान में रांची में सजा काट रहे हैं। वहीं, राजग जब वर्ष 2005 में सत्ता में आया तब से बिहार में माहौल बदला। उसने जंगलराज को खत्म किया और कानून का शासन स्थापित किया। बिजली, सड़क, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों में बहुत काम हुआ।

बिहार विधानसभा चुनाव में राजग ने विकास को मुद्दा बनाया। राज्य में पिछले वर्षों में जो विकास-कार्य किए, उसके आधार पर जन-समर्थन मांगा।

इस चुनाव में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कुल 12 चुनावी रैलियां की। श्री मोदी ने 23 अक्तूबर को चुनाव प्रचार अभियान शुरू किया और तीन नवंबर यानी कि दूसरे चरण के मतदान के दिन आखिरी चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने 23 अक्तूबर को सासाराम, गया और भागलपुर में रैली की। 28 अक्तूबर को मुजफ्फरपुर, दरभंगा और पटना में रैली की। एक नवंबर को छपरा, पूर्वी चंपारण और समस्तीपुर में रैली की और तीन नवंबर को पश्चिम चंपारण, सहरसा और फारबिसगंज में रैली की। श्री मोदी ने अपनी चुनावी रैलियों में सुशासन और जंगलराज के मुद्दे को उठाया।

बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार की जनता के नाम चार पन्नों का एक पत्र लिखा। श्री मोदी ने राज्य के लोगों से अपील करते हुए कहा कि नीतीश सरकार की जरूरत है ताकि बिहार में विकास ठप न हो। डबल इंजन की ताकत अगले दशक में बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। उन्होंने बड़ी संख्या में मतदान के लिए लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवा-बुजुर्ग, गरीब, किसान सभी जिस तरह से

वोट देने के लिए आगे आए हैं, वह आधुनिक और नए बिहार की तस्वीर दर्शाता है। लोकतंत्र के इस महापर्व में बिहार के मतदाताओं का जोश हमें और ज्यादा उत्साह से काम करने को प्रेरित करता है। सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास पर चलते हुए राजग सरकार बिहार के गौरवशाली अतीत को फिर से स्थापित करने के प्रतिबद्ध है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर अथक परिश्रम किया। वे चुनाव के दौरान बिहार के कोने-कोने तक पहुंचे। इससे आम कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ। उन्होंने दो दर्जन से अधिक चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। श्री नड्डा ने कोरोना काल में 'सेवा ही संगठन है' का सूत्र जमीन पर उतारा। उन्होंने करोड़ों लोगों को भोजन, राशन देने का देशव्यापी अभियान चलाया। प्रवासी मजदूरों के पैरों में चप्पल की भी व्यवस्था की। चूंकि बिहार सर्वाधिक प्रवासी मजदूरों वाले राज्यों में से एक है। ऐसे में इस अभियान का बिहार के मतदाताओं में बहुत सकारात्मक संदेश गया।

वहीं भाजपा राष्ट्रीय महासचिव एवं बिहार प्रदेश भाजपा प्रभारी श्री भूपेन्द्र यादव, भाजपा बिहार विधानसभा चुनाव प्रभारी श्री देवेन्द्र फडणवीस, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री संजय जायसवाल सहित पार्टी के प्रमुख नेताओं ने बिहार विधानसभा चुनाव के निमित्त बेहतर प्रबंधन एवं रणनीति के आधार पर चुनाव-प्रचार का संचालन किया।

चुनाव परिणाम से स्पष्ट है कि बिहार के मतदाताओं ने जातिवाद, वंशवाद और तुष्टीकरण की राजनीति को खारिज कर दिया और विकास एवं सुशासन की राजनीति के पक्ष में अपना समर्थन व्यक्त किया। जनता ने एक बार पुनः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा जताया तथा केंद्र व राज्य सरकारों की जन कल्याणकारी नीतियों पर मुहर लगाई। ■

- **बिहार के मतदाताओं ने जातिवाद, वंशवाद और तुष्टीकरण की राजनीति को खारिज कर दिया और विकास एवं सुशासन की राजनीति के पक्ष में अपना समर्थन व्यक्त किया।**
- **जनता ने एक बार पुनः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा जताया तथा केंद्र व राज्य सरकारों की जन कल्याणकारी नीतियों पर मुहर लगाई।** ■

बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम

दल का नाम	विजयी
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन	5
बहुजन समाज पार्टी	1
भारतीय जनता पार्टी	74
कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया	2
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी)	2
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माले)	12
हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर)	4
निर्दलीय	1
इंडियन नेशनल कांग्रेस	19
जनता दल (यूनाइटेड)	43
लोक जन शक्ति पार्टी	1
राष्ट्रीय जनता दल	75
विकासशील इंसान पार्टी	4
कुल	**243**

"बिहार विधानसभा चुनावों में राजग की सफलता पर मैं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं भाजपा अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा को हार्दिक बधाई देता हूं। यह राजग के सुशासन एवं विकास के प्रति प्रतिबद्धता की जीत है। बिहार की जनता के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं।"

राजनाथ सिंह, केंद्रीय रक्षा मंत्री

"बिहार के हर वर्ग ने फिर एक बार खोखले वादे, जातिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति को सिरे से नकार कर राजग के विकासवाद का परचम लहराया है। यह हर बिहारवासी की आशाओं और आकांक्षाओं की जीत है...नरेन्द्र मोदी जी और नीतीश कुमार जी के डबल इंजन विकास की जीत है। बिहार प्रदेश भाजपा के कार्यकर्ताओं को बधाई।"

अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

"बिहार की जनता ने एक बार फिर श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकास को चुना है। इस जीत के लिए बिहार की जनता के साथ उन करोड़ों कार्यकर्ताओं को भी बधाई जिन्होंने मोदी जी के संदेशों को लोगों तक पहुंचाया है। मुझे पूरा भरोसा है कि श्री नीतीश जी के नेतृत्व में बिहार में विकास की रफ्तार तेज होगी।"

नितिन गडकरी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री

"आज बिहार की जीत हुई है। आत्मनिर्भर बिहार के संकल्प की जीत हुई है। बिहार में विकास, शांति व सुरक्षा देने वाली सरकार की जीत हुई है। यह जीत एनडीए सरकार में बिहार के विकास की नई इबारत लिखने वाली जीत है।"

भूपेन्द्र यादव, भाजपा राष्ट्रीय महासचिव एवं बिहार प्रदेश प्रभारी

"धन्यवाद बिहार! बिहार की जनता ने यह साफ कर दिया है कि वे विकास चाहते हैं, न कि जंगलराज। हमारे जनप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व पर मुहर लगायी है। नीतीश कुमार जी पर सम्पूर्ण विश्वास दिखाया है। मैं बिहार की जनता का कोटि-कोटि अभिनंदन करता हूं।"

देवेन्द्र फड़णवीस, भाजपा बिहार प्रदेश विस चुनाव प्रभारी

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन एवं उनके द्वारा चलाई जा रही गरीब कल्याणकारी योजनाओं के कारण बिहार की गौरवशाली जनता ने जनादेश दे दिया है। हम आभारी हैं, धन्यवाद देते हैं बिहारवासियों को, जिन्होंने एक बार फिर से एनडीए के पक्ष में मतदान किया है।"

संजय जायसवाल, भाजपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष

"जनता मालिक है। उन्होंने राजग को जो बहुमत प्रदान किया, उसके लिए जनता-जनार्दन को नमन है। मैं पीएम श्री नरेन्द्र मोदी जी को उनसे मिल रहे सहयोग के लिए धन्यवाद करता हूं।"

नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार

"बिहार की महान जनता ने फिर से राजग गठबंधन को अपना अपार विश्वास और समर्थन देकर सुशासन और विकास के मार्ग को प्रशस्त किया है। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र को हमारी सरकार साकार कर रही है।"

सुशील कुमार मोदी, उप मुख्यमंत्री, बिहार

दलगत मत-प्रतिशत

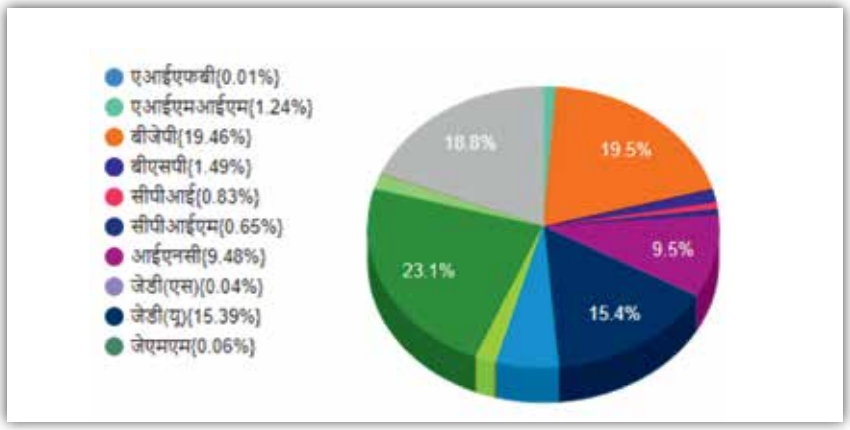

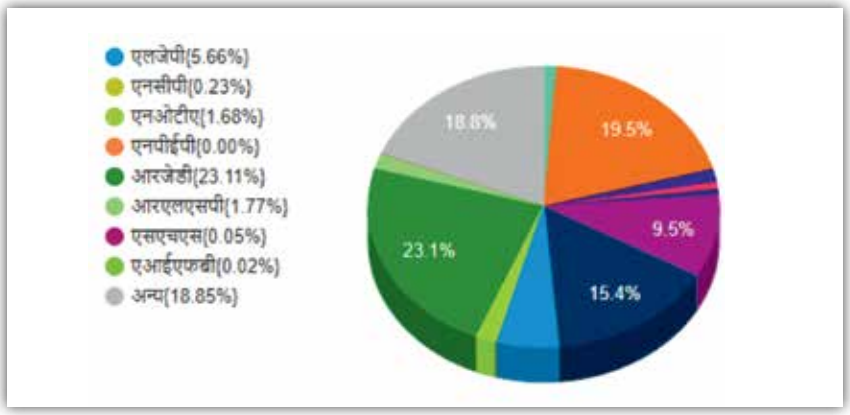

राजग
125

महागठबंधन
110

बिहार के विकास के संकल्प को सिद्ध करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 नवंबर, 2020 को नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय में बिहार विधान सभा चुनाव और देश भर में हुए उप-चुनावों में पार्टी की भव्य सफलता पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और इस शानदार जीत के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई दी। मंच पर उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री एवं पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री एवं पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी और पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री बी. एल. संतोष उपस्थित थे।

श्री मोदी ने कहा कि मैं आज आभार व्यक्त करता हूं महान देश की महान जनता का। मैं आज धन्यवाद अर्पित करता हूं, देश के कोटि-कोटि नागरिकों का। इन चुनावों को सफलतापूर्वक और शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग, देश के सुरक्षाबल और स्थानीय प्रशासन भी बधाई के पात्र हैं। चुनाव नतीजों में हार-जीत अपनी जगह है लेकिन चुनाव की ये प्रक्रिया ही हर भारतीय के लिए गौरव का विषय है। इसलिए मैं पूरे देश को बधाई देता हूं, कोटि-कोटि देशवासियों का धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि कोरोना के इस संकट काल में ये चुनाव कराना आसान नहीं था लेकिन हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं इतनी सशक्त हैं, पारदर्शी हैं, कि इस संकट के बीच भी उन्होंने इतना बड़ा चुनाव कराकर दुनिया को भी भारत के ताक़त की पहचान करा दी है। ये चुनावी नतीजे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा की कुशलता और प्रभावी रणनीति का भी परिणाम है। नड्डा जी, आप आगे बढ़ें, हम सब आपके साथ हैं। मैं बिहार और देश के बाकी राज्यों में हुए उप-चुनावों में पार्टी की शानदार जीत के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को हार्दिक बधाई देता हूं। माननीय प्रधानमंत्री जी के साथ सब ने खड़े होकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा का अभिनंदन किया। श्री मोदी ने कहा कि कल जो चुनाव नतीजे आए, उसका निहितार्थ बहुत गहरा है, उसके मायने बहुत बड़े हैं। लोक सभा चुनाव में जो नतीजे आए थे, ये उसका और व्यापक विस्तार है।

श्री मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पूर्व में जीती, मणिपुर में कमल का झंडा फहरा दिया। भारतीय जनता पार्टी पश्चिम में जीती, गुजरात में जीती। भाजपा को उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में विजय प्राप्त हुई और भाजपा को दक्षिण में कर्नाटक - तेलंगाना में भी सफलता मिली। भाजपा ही एकमात्र ऐसी राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है जिसका परचम जनता ने पूरे देश में फहराया है। कभी हम दो सीटों पर सीमित थे, आज हिंदुस्तान के हर कोने में हैं, हर किसी के दिल में हैं। भारत के लोग, 21वीं सदी के भारत के नागरिक, बार-बार अपना संदेश स्पष्ट कर रहे हैं। अब सेवा का मौका उसी को मिलेगा, जो देश के विकास के लक्ष्य के साथ ईमानदारी से काम करेगा। हर राजनीतिक दल से देश के लोगों की यही अपेक्षा है कि देश के लिए काम करें, देश के काम से मतलब रखें।

श्री मोदी ने कहा कि कल जो नतीजे आए, उसने साबित कर दिया है कि आप काम करेंगे तो लोगों से आपको भरपूर आशीर्वाद भी मिलेगा। आप खुद को समर्पित करेंगे, चौबीसों घंटे देश के विकास के बारे में सोचेंगे, कुछ नया करने की चेष्टा करेंगे तो आपको नतीजे भी मिलेंगे। कल के नतीजों में देश की जनता ने फिर ये तय कर दिया है कि 21वी सदी में देश की राजनीति का मुख्य आधार- सिर्फ और सिर्फ विकास ही होगा। देश का विकास, राज्य का विकास, आज सबसे बड़ी कसौटी है और आने वाले समय में भी यही चुनाव का आधार रहने वाला है। जो लोग ये नहीं समझ रहे, इस बार भी उनकी जगह-जगह जमानत जब्त हो गयी है।

श्री मोदी ने कहा कि कई बार कहा जाता है कि बैंक खाते, गैस कनेक्शन, घर, स्वरोजगार के लिए सुविधाएं, अच्छी सड़कें, अच्छे रेलवे स्टेशन, बेहतर हवाई अड्डे, नदियों पर बनते आधुनिक पुल, इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसे मुद्दे कोई अहमियत नहीं रखते। जनता ऐसे लोगों को बार-बार ये कह रही है कि असली मुद्दे यही हैं। हम हर वो फैसला लेंगे जो देशहित में हो, देश के लोगों के हित में हो। आज देश, भारतीय जनता पार्टी पर जो स्नेह दिखा रहा है, एनडीए पर जो स्नेह दिखा रहा है उसकी सबसे बड़ी वजह यही है कि भाजपा ने, एनडीए ने देश के विकास को, लोगों के विकास को अपना सर्वोपरि लक्ष्य बनाया हुआ है। हम हर वो काम करेंगे जो देश को आगे ले जाए। आज भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जो राष्ट्रीय आकांक्षाओं के साथ ही हर क्षेत्र के गौरव को भी उतने ही गर्व के साथ अपने साथ लेकर चलती है।

श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि –

- **आज भाजपा ही देश की एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है जिसमें गरीब, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, अपना प्रतिनिधित्व देखते हैं, अपना भविष्य देखते हैं।**
- **आज भाजपा ही देश की एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है, जो समाज के हर वर्ग की आवश्यकताओं को समझती है, उनके लिए काम कर रही है।**
- **आज देश के नौजवानों को सबसे ज्यादा भरोसा किसी पर है तो वो भाजपा है। दलितों-पीड़ितों-शोषितों की अगर कोई आवाज है, तो वो भाजपा है।**
- **देश के मध्यम वर्ग के सपनों को पूरा करने के लिए कोई दिन-रात प्रयास कर रहा है, तो वो भाजपा है।**
- **महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए, उनकी गरिमा-गौरव सुनिश्चित करने के लिए जिस पार्टी पर भरोसा किया जा रहा है, तो वो भाजपा है।**
- **आर्थिक सुधार हो, कृषि सुधार हों या फिर देश की सुरक्षा, शिक्षा की बात हो, नई व्यवस्थाओं की बात हो या फिर किसानों-श्रमिकों का हित, ये भाजपा ही है जिस पर देश आज सबसे ज्यादा भरोसा कर रहा है।**

ये भरोसा भाजपा के लिए, मेरे लिए, आपके प्रधानसेवक के लिए बहुत बड़ी पूंजी है। भाजपा की सफलता के पीछे उसका गवर्नेंस मॉडल है। जब लोग गवर्नेंस के बारे में सोचते हैं, तो भाजपा के बारे में सोचते हैं। भाजपा सरकारों की पहचान ही है - गुड गवर्नेंस।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर आज आप मुझे बिहार के चुनाव नतीजों के बारे में पूछेंगे तो मेरा जवाब भी जनता के जनादेश की तरह साफ है - बिहार में सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र की जीत हुई है। बिहार में विकास के कार्यों की जीत हुई है। बिहार में सच जीता है, विश्वास जीता है! बिहार का युवा जीता है, माताएं-बहनें-बेटियां जीती हैं! बिहार का गरीब जीता है, किसान जीता है! ये बिहार की आकांक्षाओं की जीत है, बिहार के गौरव की जीत है। मैं बिहार के अपने भाइयों और बहनों से कहूंगा, आपने एक बार फिर सिद्ध किया है कि बिहार क्यों लोकतंत्र की ज़मीन कहा जाता है। आपने फिर सिद्ध किया है कि वाकई, बिहारवासी पारखी भी हैं और जागरूक भी। हम सभी भाजपा के कार्यकर्ता, नितीश जी के नेतृत्व में राजग के कार्यकर्ता, हर बिहारवासी के साथ बिहार के विकास के संकल्प को सिद्ध करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे।

श्री मोदी ने कहा कि मैं कल से टीवी पर देख रहा हूं, अखबारों में चर्चा है साइलेंट वोटर्स को लेकर। भाजपा के पास साइलेंट वोटर्स का एक ऐसा वर्ग है जो उसे बार-बार वोट दे रहा है, निरंतर वोट दे रहा है। ये साइलेंट वोटर्स हैं, देश की माताएं, बहनें, महिलाएं, देश की नारीशक्ति। 21वीं सदी का भारत, एक नए मिजाज का भारत है। न हमें आपदाएं रोक सकती हैं और न ही बड़ी-बड़ी चुनौतियां। मैं एक नए भारत के उदय को देख रहा हूं। एक ऐसा भारत, जो आत्मविश्वास से भरा हुआ है, जो अपने सामर्थ्य को पहचानता है, जो अपने लक्ष्यों के प्रति सचेत है, गंभीर है।

श्री मोदी ने कहा कि -

- स्पेस सेक्टर को सभी के लिए खोला गया-कोरोना काल में
- देश के सभी गांवों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने का अभियान शुरू हुआ- कोरोना काल में
- नेशनल डिजिटल हेल्थ मिशन शुरू हुआ-कोरोना काल में
- गांव की जमीन और घर के लिए प्रापर्टी कार्ड देने वाली स्कीम-स्वामित्व योजना शुरू हुई कोरोना काल में।
- जब दुनिया के अनेक देश थम गए थे, हमारे देश ने नई नीतियां भी बनाईं, नए निर्णय भी लिए। कृषि क्षेत्र में लिए गए ऐतिहासिक सुधार हुए कोरोना काल में।
- ऐतिहासिक श्रम सुधार हुए, कोरोना काल में।
- नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया गया- कोरोना काल में।

श्री मोदी ने कहा कि भारत के लोकतंत्र में डगर-डगर पर,

शेष पृष्ठ 14 पर...

जनता ने बता दिया कि 'बिहार में विकास बा': जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 11 नवंबर 2020 को पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में बिहार विधान सभा चुनाव और 11 राज्यों में हुए उप-चुनावों में पार्टी की भव्य सफलता पर आयोजित कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और इस शानदार जीत के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम की दिल खोलकर सराहना की। श्री नड्डा ने कहा कि मैं पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से बिहार में भाजपा एवं एनडीए की भव्य जीत और गुजरात से लेकर मणिपुर तक देश के 11 राज्यों में हुए उप-चुनावों में भाजपा को मिले अपार प्यार एवं समर्थन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक अभिनंदन करता हूं। आदरणीय यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने अपने अथक प्रयासों और परिश्रम की पराकाष्ठा से देश और समाज को आगे बढ़ाने का अहर्निश कार्य किया है। यह देश को नई दृष्टि और दिशा देने वाला है। यह केवल बिहार विधान सभा का ही चुनाव नहीं था बल्कि देश के कई राज्यों मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और मणिपुर जैसे देश के विभिन्न हिस्सों में हुए उप-चुनाव भी इसके साथ हुए थे। बिहार के साथ-साथ देश के हर हिस्से से जनता ने भाजपा को जो आशीर्वाद दिया है, इसके लिए मैं देश की महान जनता का कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूं। इससे पहले लद्दाख के स्थानीय निकाय के चुनावों में भी वहां की जनता ने भाजपा को अपना आशीर्वाद दिया था। कच्छ से लेकर लद्दाख तक देश की जनता ने प्रधानमंत्री जी के कार्यों एवं भाजपा की नीतियों को अपना समर्थन दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी चुनाव-दर-चुनाव जीतती जा रही है, यह बताने के लिए काफी है कि देश की जनता का माननीय प्रधानमंत्री जी और भाजपा में कितना गहरा और अटूट विश्वास है।

- **बिहार के साथ-साथ देश के हर हिस्से से जनता ने भाजपा को जो आशीर्वाद दिया है, इसके लिए मैं देश की महान जनता का कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूं।**
- **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा चुनाव-दर-चुनाव जीतती जा रही है, यह बताने के लिए काफी है कि देश की जनता का माननीय प्रधानमंत्री जी और भाजपा में कितना गहरा और अटूट विश्वास है।**

श्री नड्डा ने कहा कि कोविड संक्रमण से देश को बचाने के लिए लाये गए लॉकडाउन के पश्चात् पहला बड़ा चुनाव था। यह हमारे लिए भी कठिन चुनौती थी, लेकिन बिहार सहित देश के कोने-कोने से सबने एक स्वर से कमल के

निशान पर मुहर लगाकर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोक-कल्याणकारी नीतियों और उनके विकास कार्यों पर मुहर लगाई है। जब कोरोना के सामने शक्तिशाली से शक्तिशाली देश भी समर्पण कर चुके थे, तब प्रधानमंत्री जी ने समय पर साहसिक फैसले लेते हुए न केवल 130 करोड़ देशवासियों की सुरक्षा की, न केवल देश को इसके खिलाफ लड़ने के लिए एकजुट किया बल्कि मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर में भी आमूल-चूल सुधार लाते हुए देश को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया। ये चुनाव परिणाम बताते हैं कि प्रधानमंत्री जी द्वारा उठाये गए सभी क़दम जनता तक पहुंचे और अंतिम पायदान पर खड़े एक-एक व्यक्ति इससे लाभान्वित हुए चाहे वह आत्मनिर्भर भारत अभियान हो, वोकल फॉर लोकल हो, गरीब कल्याण पैकेज हो या फिर गरीब कल्याण रोजगार योजना। हमारे प्रवासी मजदूर भाइयों के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी ने आगे बढ़कर जो कार्य किये, उसे जनता ने मतदान के रूप में आशीर्वाद देकर भारतीय जनता पार्टी को, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को और एनडीए को अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान जहां सभी पार्टियों ने अपने आपको लॉकडाउन कर लिया था, यह भारतीय जनता पार्टी थी जिसने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'सेवा ही संगठन' के एक आह्वान पर अपने आपको मानवता की सेवा में झोंक दिया। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व एवं उनके अथक प्रयासों की पूरे विश्व ने सराहना की थी। बिहार चुनाव परिणाम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं उनकी नीतियों में आस्था और अटूट हुई है।

श्री नड्डा ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में बिहार के विकास के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की सहायता की घोषणा की थी। पिछले पांच वर्षों में उन्होंने अपने वादे के मुताबिक़ सवा लाख करोड़ रुपये तो बिहार को दिए ही, इसके अतिरिक्त अन्य योजनाओं में भी उन्होंने बिहार को 40,000 करोड़ रुपये की राशि दी। बिहार में डबल इंजन की सरकार ने बिहार के विकास के लिए दिन-रात कार्य किया और राज्य की एनडीए सरकार ने माननीय प्रधानमंत्री जी की बिहार के विकास की योजनाओं का जमीन पर कार्यान्वयन किया। बिहार की जनता ने इस बार के चुनाव में प्रदेश की डबल इंजन सरकार के कार्यों एवं नीतियों पर भी मुहर लगा दी है।

श्री नड्डा ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में जारी विकास यात्रा में गहरा विश्वास व्यक्त करते हुए बिहार सहित समग्र राष्ट्र की जनता ने गुंडा राज के बजाय विकास राज को चुना। चुनावों में विपक्ष द्वारा जिस तरह से सच्चाई को दबाकर दुष्प्रचार के जरिये जनता को गुमराह करने का प्रयास हुआ, इससे हम सब भली-भांति परिचित हैं लेकिन बिहार की जनता ने बाहुबल को नकार कर विकास बल को स्वीकार किया, लालटेन युग को नकार कर एलईडी युग को स्वीकार किया, जंगलराज को नकार कर कानून राज और भ्रष्टाचार राज को नकार कर ईमानदार एवं पारदर्शी सरकार को स्वीकार किया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बिहार विधान सभा चुनाव में इस बात की खूब चर्चा हुई कि 'बिहार में का बा' लेकिन बिहार की जनता ने बता दिया कि 'बिहार में ई बा', बिहार में विकास बा, विकास को वोट बा और लूट राज और गुंडा राज पर चोट बा। मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी को विश्वास दिलाता हूं कि पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता आपके बताये रास्ते पर चलते हुए भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए आपके नेतृत्व में एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे। ■

पृष्ठ 12 का शेष...

परिपक्वता के दर्शन होते हैं। भारत की युवा पीढ़ी, लोकतंत्र के प्रति सच्ची निष्ठा और श्रद्धा रखती है। मजबूत लोकतंत्र में ही उसे अवसर नजर आते हैं और अपने अधिकारों की रक्षा के प्रति वो ज्यादा आश्वस्त रहता है लेकिन दुर्भाग्य से कश्मीर से कन्याकुमारी तक परिवारवादी पार्टियों का जाल लोकतंत्र के लिए खतरा बनता जा रहा है। ये देश का युवा भली-भांति जानता है। परिवारों की पार्टियां या परिवारवादी पार्टियां, लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।

श्री मोदी ने कहा कि हमारा यह उद्देश्य होना चाहिए कि पार्टी हर कार्यकर्ता और हर नागरिक के लिए अवसरों का एक बेहतरीन मंच बने। जहां प्रतिभा के साथ न्याय हो और परिश्रम को पुरस्कार मिले। मैं देश के युवाओं को, जिनके दिल में राष्ट्रहित सर्वोपरि है, जिनमें लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्धता है, ऐसे युवाओं को निमंत्रित करता हूं। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी का दायित्व और बढ़ जाता है। हमें अपनी पार्टी में भीतर के लोकतंत्र को मजबूत बनाएं रखना है। हमें अपनी पार्टी को जीवंत लोकतंत्र का जीता-जागता उदाहरण बनाना है। देश के युवाओं से मेरा आह्वान है, वो आगे आएं और भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से देश की सेवा में जुट जाएं। अपने सपनों को साकार करने के लिए, अपने संकल्पों को सिद्ध करने के लिए, कमल को हाथ में लेकर चल पड़ें।

श्री मोदी ने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में ऐसे लोगों को लगता है कि भाजपा के कार्यकर्ताओं को मौत के घाट उतारकर वे अपने मंसूबे पूरे कर लेंगे। जो लोग लोकतांत्रिक तरीके से हमारा मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं, ऐसे कुछ लोगों ने हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं की हत्या करने का रास्ता अपनाया है। मैं उन सबको आग्रहपूर्वक निवेदन करता हूं, मैं चेतावनी नहीं देता हूं, वो काम जनता करेगी। उन्होंने आगे कहा, चुनाव आते-जाते हैं, कभी ये बैठेगा कभी वो बैठेगा मगर मौत का खेल-खेलकर लोकतंत्र नहीं चलता है और मौत का खेल-खेलकर कोई मत नहीं पा सकता है, दीवार पर लिखे हुए ये शब्द पढ़ लेना। ■

विधानसभा उपचुनावों में भाजपा की जीत

मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश और मणिपुर में जीत का परचम लहराया

भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के पास दिवाली की खुशियां दोगुने उत्साह से मनाने की तमाम वजहें हैं, क्योंकि पार्टी ने हाल ही में अलग-अलग राज्यों में हुए उपचुनावों में जीत का परचम लहराया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में पार्टी ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, मणिपुर और अन्य विधानसभा उपचुनावों में जीत हासिल की।

उप-चुनावों के परिणाम 'सबका साथ–सबका विकास–सबका विश्वास' के मंत्र और प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के समर्पण और कड़ी मेहनत का नतीजा है।

मोदी सरकार ने विभिन्न जन-कल्याणकारी नीतियों की शुरुआत की और देश के हर कोने में लोगों को इन योजनाओं का लाभ मिला। यही कारण है कि लोगों ने भाजपा को बिना शर्त अपना समर्थन दिया।

मध्य प्रदेश

मध्य प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी विजयी हुई है। 230 सदस्यीय सदन में भाजपा के 107 विधायक थे। परिणामों ने शिवराज सिंह चौहान सरकार को और मजबूती प्रदान की है। भाजपा ने उपचुनावों में कांग्रेस को पटखनी देते हुए 28 नवंबर को हुए चुनाव में 28 में से 19 सीटों पर जीत दर्ज की। दूसरी ओर, कांग्रेस 28 में से सिर्फ 9 सीटें जीत सकी। उपचुनावों के दौरान कुल 70.27 प्रतिशत मतदान हुआ था, जिसमें 12 मंत्रियों सहित 355 उम्मीदवारों का भाग्य तय हुआ।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि यह परिणाम साबित करते हैं कि मतदाताओं ने कांग्रेस विधायकों द्वारा पिछली कमलनाथ सरकार से समर्थन वापिस लेने के निर्णय को जायज बताया है।

गुजरात

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात में आठ विधानसभा सीटों पर 3 नवंबर को हुए उपचुनावों में सभी पर जीत हासिल की। भाजपा के सभी उम्मीदवार भारी मतों से विजयी हुए, जिसमें सबसे कम मत अंतर मोरबी में था, जहां भाजपा प्रत्याशी ने 4,649 मतों के अंतर से जीत हासिल की।

जिन आठ निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उपचुनाव हुए थे उनमें अब्दसा, कर्जन, मोरबी, गढ़ा, धारी, लिंबडी, कपराडा और डांग हैं।

मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस को एक 'डूबता हुआ जहाज' बताया और कहा कि यह उपचुनाव केवल एक ट्रेलर हैं, और भाजपा 2022 के चुनावों में भारी जीत हासिल करने जा रही है।

उत्तर प्रदेश

राज्य में सात सीटों पर हुए विधानसभा उपचुनावों में भाजपा ने कुल 6 सीटें पर जीत हासिल की, जबकि समाजवादी पार्टी को केवल 1 सीट से ही संतोष करना पड़ा। जिन सात सीटों पर उपचुनाव हुए उनमें घाटमपुर, मल्हनी, बांगरमऊ, देवरिया नौगांव सादात, बुलंदशहर और टूंडला शामिल हैं। इन उपचुनावों में 53 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ और 88 उम्मीदवार मैदान में थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उपचुनावों में भाजपा का असाधारण प्रदर्शन आगामी 2022 के विधानसभा चुनावों में पार्टी की संभावनाओं का 'स्पष्ट संकेत' है। उन्होंने कहा, "भाजपा ने 2017 के विधानसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनावों के अपने प्रदर्शन को दोहराया है। ये स्पष्ट संकेत हैं कि पार्टी आगामी 2022 के विधानसभा चुनावों में फिर से अच्छा प्रदर्शन करेगी। मैं लोगों को वोट देने के लिए आगे आने के लिए धन्यवाद देता हूं।"

कर्नाटक

भाजपा ने कर्नाटक में दो विधानसभा सीटों के लिए हुए उपचुनाव में विपक्षी कांग्रेस और जद (एस) को करारा झटका दिया। कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव जीतने के अलावा, सत्तारूढ़ भाजपा ने राज्य में चार विधान परिषद सीटें भी जीती हैं, जिसके लिए 28 अक्टूबर को मतदान हुआ था और

परिणाम 25 अक्टूबर को घोषित किए गए थे। कर्नाटक पश्चिम और दक्षिण पूर्व ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र और कर्नाटक उत्तर पूर्व और बैंगलोर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में क्रमशः एस. वी. संकूर, सशिल नामोशी और पुत्तनना विजयी हुए। इस जीत के साथ भाजपा 31 सदस्यों के साथ पहली बार 75 सदस्यीय विधान परिषद में सबसे बड़ी पार्टी बन गई है, उसके बाद 28 पर कांग्रेस और 14 पर जद (एस) और चार निर्दलीय सदस्य हैं।

तेलंगाना

तेलंगाना में हुए उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार एम रघुनंदन राव ने अपने निकटतम टीआरएस उम्मीदवार एस. सुजाता के खिलाफ डबक विधानसभा सीट पर 1,079 वोटों के साथ जीत हासिल की, जिसके लिए 10 नवंबर को मतगणना हुई थी।

मणिपुर

मणिपुर में भाजपा ने वांगोई, सिंघट और वांगजिंग टेंथा और सीटू मणिपुर विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की। इन चार सीटों पर कांग्रेस विधायकों के विधानसभा से इस्तीफा देने और सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होने के बाद 7 नवंबर को उपचुनाव करवाए गए थे।

नागालैंड

नागालैंड में भाजपा की सहयोगी एनडीपीपी ने अपनी एक सीट बरकरार रखी।

प्रधानमंत्री का संदेश

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "मैं तेलंगाना में भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए डबक के लोगों को धन्यवाद देता हूं। यह एक ऐतिहासिक जीत है और हमें अधिक मजबूती के साथ राज्य की सेवा करने की शक्ति प्रदान करती है। हमारे कार्यकर्ताओं ने बहुत मेहनत की और मैं भाजपा के विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाने में उनके उल्लेखनीय प्रयासों की सराहना करता हूं।

प्रधानमंत्री ने गुजरात के लोगों को भी धन्यवाद देते हुए कहा, "गुजरात और भाजपा के बीच बंधन अटूट है। यह स्नेह फिर से 8 उपचुनावों में दिखाई देता है जहां भाजपा ने सभी सीटों पर विजय हासिल की। "मैं इस जीत के लिए गुजरात के लोगों को धन्यवाद देता हूं। मैं श्री विजय रूपानी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार और स्थानीय कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं। मध्यप्रदेश उपचुनावों के नतीजों पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के प्रगतिशील एजेंडे और स्थानीय कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण भाजपा आज प्रदेश में लोगों की पहली पसंद बनकर उभरी है। मैं राज्य भर में हुए उपचुनावों में भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए मध्य प्रदेश की जनता का धन्यवाद करता हूं।''

श्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा, "उत्तर प्रदेश में, श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों ने हमारी पार्टी को को जनता के बीच लोकप्रिय बनाया है। उन्होंने भाजपा को समर्थन दिया है, जिसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। ■

वानती श्रीनिवासन भाजपा महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 28 अक्टूबर को श्रीमती वानती श्रीनिवासन को भाजपा महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया। पेशे से वकील श्रीमती श्रीनिवासन ने 1987 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया और 1993 में भाजपा में शामिल हुईं।

इसके बाद वे पार्टी के कई पदों पर रहीं। वह 2004 से 2009 तक तमिलनाडु भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री थीं। प्रदेश मंत्री और प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी निभाने के बाद उन्हें हाल ही में प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया था।

अमिताव चक्रवर्ती पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 28 अक्टूबर को श्री अमिताव चक्रवर्ती को पश्चिम बंगाल भाजपा का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया है कि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने श्री चक्रवर्ती को तत्काल प्रभाव से इस पद पर नियुक्त किया। श्री चक्रवर्ती पिछले कुछ वर्षों से प्रदेश सह-महामंत्री (संगठन) थे।

भाजपा ने लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद चुनावों में जीत हासिल की

भाजपा ने 26 में से 15 सीटें जीती

भारतीय जनता पार्टी ने छठे लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद चुनावों में जीत दर्ज की है, जिसके लिए 22 अक्टूबर को मतदान हुआ था। इन चुनावों में भाजपा ने 26 में से 15 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस केवल नौ सीटें ही जीत पायी और दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुए। केंद्रशासित प्रदेश के तौर पर अस्तित्व में आने के बाद लद्दाख में पहली बार परिषद के चुनाव हुए है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने ट्विटर पर लिखा, "लेह स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद में भाजपा की यह जीत ऐतिहासिक है। भाजपा ने 26 में से 15 सीटें जीती हैं। मैं श्री जमयांग सेरिंग नामग्याल, भाजपा की प्रदेश इकाई के सभी कार्यकर्ताओं और भाजपा में अपना विश्वास जताने के लिए लद्दाख की जनता को बधाई देता हूं। "

- **लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (LAHDC) एक स्वायत्त जिला परिषद है जो लद्दाख के लेह जिले का प्रशासन करती है। परिषद का गठन लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद अधिनियम, 1995 के अनुसार किया गया था।**

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए अपने कहा, "लेह स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद चुनावों में भाजपा की शानदार जीत स्पष्ट रूप से भाजपा में लद्दाख की जनता का अटूट विश्वास और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास को दर्शाता है। मैं विकास और समृद्धि को चुनने के लिए लद्दाख के लोगों को धन्यवाद देता हूं।" प्रदेश भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई।"

लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद (LAHDC) एक स्वायत्त जिला परिषद है जो लद्दाख के लेह जिले का प्रशासन करती है। परिषद का गठन लद्दाख स्वायत्त पहाड़ी विकास परिषद अधिनियम, 1995 के अनुसार किया गया था। परिषद में कुल 30 सीटें हैं और चार पार्षद सरकार द्वारा मनोनित होते हैं। कांग्रेस और भाजपा के अलावा, आम आदमी पार्टी (आप) ने भी 19 उम्मीदवारों को मैदान में उतारकर पहली बार अपनी किस्मत आजमाई, जबकि बाकी 23 उम्मीदवार निर्दलीय थे। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) सहित क्षेत्रीय दलों ने चुनाव से दूर रहने का विकल्प चुना। 1995 में पहाड़ी परिषद के गठन के बाद से, कांग्रेस ने तीन बार चुनाव लड़े, जबकि लद्दाख संघ प्रादेशिक मोर्चा ने 2005 में चुनाव जीता था। भाजपा ने पिछली बार हुए चुनावों में पहली बार कांग्रेस से परिषद सत्ता को छीना था और 26 में से 18 सीटों पर जीत हासिल की थी। ■

सिलवासा नगर निकाय में भाजपा की भारी जीत

भाजपा ने केंद्रशासित प्रदेश दादरा व नगर हवेली के सिलवासा नगर निकाय की 15 सीटों में से 11 पर जीत दर्ज की है। चुनाव परिणाम 10 नवंबर को घोषित किए गए। इससे पहले सिलवासा नगर निकाय में कांग्रेस का दबदबा था।

इस जीत के साथ भाजपा केंद्रशासित प्रदेश दमन तथा दादरा व नगर हवेली में स्पष्ट बहुमत के साथ दोनों नगर निकायों पर शासन कर रही है। दमन नगर निकाय में भाजपा 8 सीटें जीतने में कामयाब रही, पांच सीटें निर्दलीय के पास रहीं, जबकि कांग्रेस ने केवल दो सीटें जीतीं।

जिला पंचायत					
	कुल सीट	भाजपा	कांग्रेस	जद(यू)	निर्दलीय
दमन	16	9	0	0	7
दीव	8	5	0	0	3
दादरा और नगर हवेली	20*	3	-	13	-
चार सीटों पर परिणाम प्रतीक्षित*					
ग्राम पंचायत					
	कुल सीट	भाजपा	कांग्रेस	जद(यू)	निर्दलीय
दमन	14	9	0	0	5
दीव	4	3	0	0	1
नगर निकाय					
	कुल सीट	भाजपा	कांग्रेस	जद(यू)	निर्दलीय
दमन	15	11	1	0	3
सिलवासा	15	9	0	6	0

बंगाल के गरीबों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए ममता सरकार को उखाड़ फेंकिए: अमित शाह

पश्चिम बंगाल में जहां एक ओर ममता सरकार को लेकर भयंकर जनाक्रोश दिखाई देता है तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति यहां की जनता में एक आशा और श्रद्धा दिखाई पड़ती है

केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह अपने दो दिवसीय पश्चिम बंगाल दौरे के प्रथम दिन 05 नवम्बर 2020 को बांकुड़ा के रवीन्द्र भवन में 'कार्यकर्ता संवाद' कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने 'सामाजिक समूह संवाद' कार्यक्रम के तहत बांकुड़ा जिला के विभिन्न स्थानीय समूह से संवाद भी किया। इससे पूर्व माननीय गृहमंत्री ने बांकुड़ा के पुआबागान में भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी और जिला के चतुररदिही गांव में संथाल जनजाति के कार्यकर्ता श्री विभीषण हांसदा जी के आवास पर दोपहर का भोजन भी किया।

श्री शाह ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में जहां एक ओर ममता सरकार को लेकर भयंकर जनाक्रोश दिखाई देता है तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति यहां की जनता में एक आशा और श्रद्धा दिखाई पड़ती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का दमन चक्र, विशेषकर भाजपा के कार्यकर्ताओं पर ममता सरकार ने चलाया है, मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि ममता सरकार का आखिरी समय आ गया है और आने वाले दिनों में यहां भाजपा की सरकार दो-तिहाई बहुमत से बनने जा रही है।

श्री शाह ने पश्चिम बंगाल की जनता को आह्वान करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के युवाओं को नौकरी, बंगाल के गरीबों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए ममता सरकार को उखाड़कर फेंक दीजिए। भाजपा को एक मौका पश्चिम बंगाल में दीजिए, हम आने वाले दिनों में यहां पर मोदी जी के नेतृत्व में सोनार बांग्ला का निर्माण करेंगे। ममता बनर्जी सरकार केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ गरीबों तक पहुंचने नहीं दे रहीं। गरीबों, आदिवासियों और पिछड़े समुदायों के लिए बनाई गई 80 से अधिक योजनाओं को राज्य में लागू नहीं करने दिया जा रहा। आादिवासी बहुल क्षेत्रों में आदिवासियों और गरीबों तक प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पैसे नहीं पहुंचे और न ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को दिए जा रहे 6,000 रुपये मिल रहे हैं। आयुष्मान भारत योजना के तहत हर गरीब परिवार को मिलने वाली पांच लाख रुपये की स्वास्थ्य सुविधा भी यहां के लोगों को नहीं मिल रही है। ममता जी इस डर से इन योजनाओं को लागू नहीं कर रही है कि इससे भाजपा को फायदा होगा, लेकिन इससे भाजपा को रोका नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में अम्फान तूफान के राहत और बचाव कार्य के लिए जो धनराशि केंद्र से भेजी गई और केंद्र की ओर से कोरोना महामारी के दौरान जो अनाज भेजा गया वो भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया।

श्री शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा की बात उठाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल एक सरहदी प्रांत है। देश की सुरक्षा, पश्चिम बंगाल की सुरक्षा के साथ जुड़ी है। इसलिए देश की सुरक्षा, युवाओं को रोजगार, गरीबों को दारुण गरीबी से बाहर निकालने के लिए यहां भाजपा सरकार बनाने की निहायत जरूरत है।

अब बंगाल की जनता को तय करना है कि परिवारवाद चाहिए या विकासवाद

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह अपने दो दिवसीय पश्चिम बंगाल दौरे के दूसरे और अंतिम दिन 6 नवंबर को कोलकाता के वेस्टिन होटल में प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर तृणमूल कांग्रेस सरकार की अराजकतावादी नीतियों पर हमला करते हुए लोगों से ममता सरकार को उखाड़ फेंकने और भाजपा की सरकार बनाने का आह्वान किया। इससे पूर्व श्री शाह ने दक्षिणेश्वर काली मंदिर में पूजा-अर्चना की।

श्री शाह इसके बाद, पद्म भूषण से सम्मानित मशहूर शास्त्रीय संगीतज्ञ पंडित अजॉय चक्रवर्ती के निवास पर जाकर उनसे मुलाकात की। इसके बाद, गौरांगनगर में बांग्लादेश से आये शरणार्थी मतुआ समुदाय के मंदिर में पूजा अर्चना की और मतुआ समुदाय के ही एक परिवार के घर में दोपहर का भोजन भी किया। अपने व्यस्त कार्यक्रमों के दौरान श्री अमित शाह ने 'कार्यकर्ता संवाद' के तहत स्थानीय कार्यकर्ताओं और 'सामाजिक समूह संवाद' कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्थानीय समूह के प्रतिनिधित्वों के साथ संवाद भी स्थापित किये। साथ

ही, श्री शाह ने प्रदेश भाजपा के सांसदों और प्रदेश भाजपा कोर ग्रुप के साथ बैठकें भी कीं।

श्री शाह ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि अपनी दो दिवसीय पश्चिम बंगाल प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के चार विभागों के कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक समुदायों के कार्यकर्ताओं से मैं अलग-अलग मिला। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सामाजिक समूह के 180 से ज्यादा प्रतिनिधित्वों से दोतरफा संवाद भी हुआ। इन संवादों से पश्चिम बंगाल की जो स्थिति उभरी, उसे आप लोगों के समक्ष रखना चाहता हूं।

श्री शाह ने कहा कि मई 2011 को 'मां-माटी-मानुष' नारे के साथ पश्चिम बंगाल के अन्दर परिवर्तन हुआ था। प्रदेश की जनता के मन में भी कई अपेक्षाएं और आशाएं थीं और वे चाहते थे कि उनकी संवेदनाओं को समुचित प्रतिक्रिया मिले। तीन दशक के कम्युनिस्ट शासन से त्रस्त होकर तृणमूल कांग्रेस के हाथों में बंगाल की कमान दी गई थी। मगर 10 साल बाद आज मां, माटी और मानुष का नारा तुष्टिकरण, तानाशाही और तोलाबाजी में परिवर्तित हो गया है। तृणमूल सरकार और राज्य की मुख्यमंत्री जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पाईं।

श्री शाह ने कहा कि मैं बंगाल की जनता को आश्वस्त करने आया हूं कि आपने कांग्रेस को मौका दिया, कम्युनिस्टों को भी बार-बार मौके दिए और दो मौके ममता जी को दिए। एक मौका मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा को दे दीजिए, हम 5 वर्ष के भीतर सोनार बांग्ला बनाने का वादा करते हैं। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है कि बंगाल का विकास हो, देश की सीमाएं सुरक्षित हों, बंगाल के अंदर घुसपैठ रुके। तृणमूल कांग्रेस और ममता दीदी का एकमात्र लक्ष्य है कि अगले टर्म में भतीजे को मुख्यमंत्री बना देना है। अब बंगाल की जनता को तय करना है कि परिवारवाद चाहिए या विकासवाद।

श्री शाह ने ममता सरकार की तुष्टिकरण नीति पर हमला करते हुए कहा कि ममता जी की तुष्टिकरण नीति से बंगाल की जनता के बहुत बड़े वर्ग के मन में कई सवाल खड़े हुए हैं। एक प्रकार से बंगाल में 3 कानून हैं- एक अपने भतीजे के लिए, एक अपने वोट बैंक के लिए और एक आम लोगों के लिए। शायद ही कोई ऐसा राज्य होगा जहां ऐसे तीन कानून चलते होंगे। ममता जी अब गड्ढे भरने का वादा कर रही हैं, लेकिन राज्य की जनता के मन में जो गड्ढा इनके कुशासन से बना है, वो अब महज 6 माह में भरने वाला नहीं है, अतः ममता जी का यह प्रयास निरर्थक है। राजनीतिक हत्याओं के मामले में बंगाल सबसे खराब स्थिति में है। पिछले ढाई वर्षों में 100 से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या हुई है, ममता जी इस मामले में श्वेत पत्र क्यों नहीं लातीं? राज्य में घुसपैठ भी बदस्तूर जारी है। इसे रोकने के लिए संशोधित नागरिकता कानून को लागू किया जाएगा, यह हमारी प्रतिबद्धता है।

श्री अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में भाजपा बंगाल के चुनाव को बहुत गंभीरता से ले रही है क्योंकि इसके साथ देश की सुरक्षा भी जुड़ी है और अति पिछड़े गरीब लोगों के भले का भी सवाल है। दोनों मुद्दों को लेकर हम जनता के बीच जाएंगे। मैं निश्चित रूप से कहता हूं कि आने चुनाव में बंगाल में हम 200 से ज्यादा सीटों के साथ भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने जा रहे हैं। ■

श्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार पर ममता सरकार से तीखा सवाल करते हुए पूछा कि ममता जी ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो को 2018 के बाद से पश्चिम बंगाल के अपराध रिकॉर्ड क्यों नहीं भेजे? आप क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हैं और क्यों? लोग राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति के बारे में जानना चाहते हैं। मैं ममता जी से 7 सवाल पूछना चाहता हूं कि एक महिला मुख्यमंत्री होने के बाद भी आपने बंगाल में महिला सुरक्षा के लिए क्या किया?

1. **आपने 2018 के बाद से एनसीबी को बंगाल के क्राइम रिकाड्र्स देने बंद क्यों कर दिए?**
2. **महिलाओं के खिलाफ अपराध में पश्चिम बंगाल देश में तीसरे स्थान पर क्यों है?**
3. **बलात्कार के प्रयास करने के मामलों में पश्चिम बंगाल देश में सबसे ऊपर क्यों है?**
4. **पश्चिम बंगाल एसिड अटैक और एसिड अटैक के प्रयासों में देश में प्रथम स्थान पर कैसे?**
5. **महिलाओं के गायब होने के मामले में भी पश्चिम बंगाल देश में दूसरे स्थान पर क्यों है?**
6. **गायब महिलाओं को न ढूंढ़ पाने में पश्चिम बंगाल टॉप पर क्यों है?**
7. **महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिए बंगाल में सजा दर केवल 5.3 फीसदी है, जबकि राष्ट्रीय सजा दर 22.9 फीसदी है, ऐसा क्यों?**

भाजपा के लिए कार्यालय केवल ऑफिस नहीं होता, बल्कि यह पार्टी कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने का केंद्र होता है: जगत प्रकाश नड्डा

हिमाचल प्रदेश के 6 भाजपा जिला कार्यालयों—पालमपुर, धर्मशाला, नूरपुर, देहरा, सुंदरनगर और कुल्लू का शिलान्यास

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 22 अक्टूबर, 2020 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के 6 भाजपा जिला कार्यालयों पालमपुर, धर्मशाला, नूरपुर, देहरा, सुंदरनगर और कुल्लू का शिलान्यास किया और इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मानवता की सेवा और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को और गति देने का आह्वान किया। इस अवसर पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सुरेश कश्यप, केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री श्री शांता कुमार, पूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रेम कुमार धूमल, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री पवन राणा, कार्यालय निर्माण समिति के संयोजक श्री सतपाल सत्ती, कांगड़ा से सांसद श्री किशन कपूर, मंडी से सांसद श्री राम स्वरूप शर्मा, प्रदेश से राज्य सभा सांसद श्रीमती इंदु गोस्वामी सहित हिमाचल सरकार में कई मंत्री, पार्टी पदाधिकारी और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे, जबकि पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में श्री नड्डा के साथ पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री एवं कार्यालय प्रभारी श्री अरुण सिंह, हिमाचल सरकार में मंत्री श्री वीरेंद्र कंवर और प्रदेश में कार्यालय का कार्य देख रहे श्री रवींद्र राजू भी उपस्थित थे। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की जनता को शक्ति उपासना के महापर्व नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं दी और हिमाचल प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रदेश कार्यालय के शिलान्यास की बधाई दी।

श्री नड्डा ने कहा कि अब तक 719 जिला कार्यालयों में से 432 कार्यालयों का निर्माण हो चुका है। 73 कार्यालय उद्घाटन के लिए तैयार हैं और 196 निर्माणाधीन हैं जो जल्द से जल्द पूरे हो जायेंगे। इससे पहले एक जिला कार्यालय का उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने किया था तो दूसरे कार्यालय का श्री राजनाथ सिंह ने। उन्होंने पार्टी का आह्वान करते हुए कहा कि इन सभी जिला कार्यालयों का निर्माण समयबद्ध तरीके से संपन्न हो, इसमें गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और यह सभी आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त हो। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए कार्यालय केवल ऑफिस नहीं होता बल्कि यह पार्टी कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने का केंद्र होता है। किसी भी पार्टी को सुचारू रूप से चलाने के लिए पांच 'क' की आवश्यकता होती है - कार्यकर्ता, कार्यक्रम, कार्यकारिणी, कोष और इसे संचालित करने के लिए कार्यालय। ■

राजस्थान में 8 भाजपा जिला कार्यालयों का शिलान्यास और 2 जिला कार्यालयों का उद्घाटन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 25 अक्टूबर, 2020 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान के 6 जिला भाजपा कार्यालयों का शिलान्यास किया और 2 जिला कार्यालयों का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजस्थान से मंच पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सतीश पुनिया, केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता श्री रामचंद्र कटारिया, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री चंद्रशेखर, जैसलमेर से केंद्रीय मंत्री श्री कैलाश चौधरी और भीलवाड़ा से श्री रवीन्द्र राजू उपस्थित थे जबकि दिल्ली में श्री नड्डा के साथ मंच पर पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अरुण सिंह एवं पार्टी की राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती अलका गुर्जर मौजूद रहे।

श्री नड्डा ने कहा कि राजस्थान में 8 जिला कार्यालयों का काम चल रहा है, आज 6 का शिलान्यास और 2 जिला कार्यालयों का उद्घाटन हुआ है। उन्होंने कहा कि कार्यालय कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने और उनके सामाजिक एवं राजनीतिक व्यक्तित्व को निखारने के केंद्र होते हैं। आवास पर काम करने से पार्टी परिवार की हो जाती है, इसलिए आज लगभग राजनीतिक दलों के लिए परिवार ही पार्टी बनती जा रही है जबकि भारतीय जनता पार्टी के लिए पार्टी ही परिवार है। राजस्थान में भाजपा संगठन ने काफी अच्छा काम किया है। मुझे विश्वास है कि ये कार्यालय पार्टी की नींव को प्रदेश में और मजबूत करने में सहायक होंगे। ■

आत्मनिर्भर भारत 3.0 के तहत 2.65 लाख करोड़ रुपये की घोषणा

अब तक कुल 29.87 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन की हुई घोषणा

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 12 नवंबर को आत्मनिर्भर भारत 3.0 के तहत अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने के लिये 12 प्रमुख उपायों की घोषणा की। इसके तहत 2.65 लाख करोड़ रुपये की घोषणा की गई। एक प्रेस कांफ्रेंस में श्रीमती सीतारमण ने यह भी बताया कि सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अब तक कुल 29.87 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन की घोषणा हुई है। यह जीडीपी का 15 फीसदी है। इसमें से 9 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद का प्रोत्साहन सरकार द्वारा प्रदान किया गया है।

आत्मनिर्भर भारत 3.0 के तहत 12 मुख्य बातें निम्न हैं:

1. आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना

कोविड-19 महामारी के दौरान रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने के लिए एक नई योजना शुरू की गई है। योजना के तहत अगर ईपीएफओ-पंजीकृत प्रतिष्ठान ऐसे नए कर्मचारियों को लेते हैं जो पहले पीएफ के लिए रजिस्टर्ड नहीं थे या जो नौकरी खो चुके हैं, तो यह योजना उनके कर्मचारियों को लाभ देगी। यह योजना 1 अक्टूबर, 2020 से प्रभावी होगी और 30 जून, 2021 तक लागू रहेगी।

2. आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों, व्यवसायों, मुद्रा ऋणकर्ताओं और व्यक्तिगत ऋणों (व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए ऋण) के लिए आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना का 31 मार्च, 2021 तक विस्तार किया गया। कोविड-19 के कारण हेल्थकेयर सेक्टर और 26 संकटग्रस्त सेक्टरों के लिए क्रेडिट गारंटी सहायता योजना शुरू की जा रही है जिनका क्रेडिट बकाया 29 फरवरी, 2020 को 50 से 500 करोड़ रुपये तक दर्ज किया गया। इन एंटिटीज को बकाए का 20 फीसदी तक अतिरिक्त क्रेडिट के तौर पर दिया जाएगा। इस अतिरिक्त क्रेडिट को चुकाने की अवधि 5 साल होगी, जिसमें प्रिंसिपल रिपेमेंट पर 1 साल का मोरेटोरियम शामिल होगा।

3. 10 प्रमुख क्षेत्रों के लिए 1.46 लाख करोड़ रुपये की प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव योजना की घोषणा

घरेलू विनिर्माण में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के तहत 10 और प्रमुख क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। इससे अर्थव्यवस्था, निवेश, निर्यात और रोजगार सृजन को बहुत बढ़ावा मिलेगा। लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये की राशि अगले पांच वर्षों के लिए इन सेक्टरों में लगाई गई है।

4. प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के लिए अतिरिक्त 18,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लिए 18000 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जा रही है। यह राशि इस साल दिए जा चुके 8,000 करोड़ रुपये से अतिरिक्त होगी। इस फैसले से 12 लाख मकानों का काम शुरू करने के साथ ही 18 लाख मकानों को पूरा करने में मदद मिलेगी। इससे 78 लाख नए रोजगार के मौके पैदा होंगे और स्टील तथा सीमेंट का उत्पादन और मांग भी बढ़ेगी, जिसके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में काफी तेजी आएगी।

5. कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के लिए राहत का ऐलान

व्यापार सुगमता और सरकारी ठेके से जुड़ी निर्माण और ढांचागत कंपनियों के लिए राहत का ऐलान किया गया है। परफॉर्मेंस सिक्योरिटी को 5-10% से घटाकर 3 फीसदी किया गया है। इससे उन ठेकेदारों को राहत मिलेगी, जिनका पैसा अन्यथा फंसा रहता है। जारी अनुबंधों और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों को भी बढ़ाएगा। निविदाओं के लिये अग्रिम जमा रकम को बिड सिक्योरिटी डिक्लेरेशन द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। यह छूट 31 दिसंबर, 2021 तक के लिए होगी।

6. घर खरीदने वालों और डेवलपर्स को आयकर में छूट

आईटी एक्ट की धारा 43 सीए के तहत रियल एस्टेट इनकम टैक्स में सर्किल रेट और एग्रीमेंट वैल्यू के बीच अंतर 10 फीसदी से बढ़ाकर 20 फीसदी कर दिया गया है। यह 2 करोड़ रुपये (इस योजना की घोषणा की तारीख से 30 जून, 2021 तक) तक की आवासीय इकाइयों की प्राथमिक बिक्री के लिए है। धारा 56(2)(x) के तहत इन इकाइयों के खरीदारों को उक्त अवधि के लिए आईटी अधिनियम के तहत 20% तक की छूट भी दी जाएगी। इस आयकर राहत से मध्यम वर्ग को घर खरीदने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

7. इंफ्रा डेट फाइनेंसिंग के लिए प्लेटफॉर्म का ऐलान

सरकार राष्ट्रीय अवसंरचना निवेश कोष (एनआईआईएफ) के डेट प्लेटफॉर्म में 6,000 करोड़ रुपये इक्विटी के रूप में निवेश करेगी। यह एनआईआईएफ को 2025 तक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 1.1 लाख करोड़ का ऋण प्रदान करने में मदद करेगा।

8. कृषि को समर्थन देने के लिए 65,000 करोड़ रुपये की

उर्वरक सब्सिडी देने की घोषणा

उर्वरक की खपत तेजी से बढ़ रही है। किसानों को आगामी फसल सत्र के दौरान उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 65,000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराया जा रहा है।

9. ग्रामीण रोजगार को गति

ग्रामीण रोजगार प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण रोजगार योजना के लिए 10,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान का ऐलान किया है। जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी।

10. निर्यात परियोजना को बढ़ावा

भारतीय विकास और आर्थिक सहायता योजना के तहत कर्ज सहायता के जरिए निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक्जिम बैंक को 3,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिया जा रहा है। यह एक्जिम बैंक को निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लाइन ऑफ क्रेडिट को सुविधाजनक बनाने और भारत से निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

11. कैपिटल और इंडस्ट्रियल व्यय

कैपिटल और इंडस्ट्रियल व्यय के लिए 10,200 करोड़ रुपये के अतिरिक्त बजटीय आवंटन का ऐलान किया गया है। यह घरेलू डिफेंस इक्विपमेंट, इंडस्ट्रियल इंसेंटिव, इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्रीन एनर्जी के लिए कैपिटल एवं इंडस्ट्रियल व्यय होगा।

12. कोविड वैक्सीन के लिए अनुसंधान एवं विकास अनुदान

भारतीय कोविड वैक्सीन के शोध और विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग को 900 करोड़ रुपये अनुदान देने की घोषणा की गई है। ■

हजीरा (गुजरात) में रो-पैक्स टर्मिनल का उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 8 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुजरात के हजीरा में रो-पैक्स टर्मिनल का उद्घाटन किया और हजीरा तथा घोघा के बीच रो-पैक्स नौका सेवा को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने शिपिंग मंत्रालय का नाम बदलकर पोत, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय रखा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात के लोगों को दीवाली का उपहार मिला है। इस बेहतर कनेक्टिविटी से सभी को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और कनेक्टिविटी तेजी से बढ़ेगी।

श्री मोदी ने कहा कि हजीरा और घोघा के बीच रो-पैक्स सेवा ने सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के लोगों के सपनों को सच कर दिया है, क्योंकि इससे दोनों स्थानों के बीच यात्रा में लगने वाला समय 10-12 घंटे से घटकर 3-4 घंटे तक हो जाता है। उन्होंने कहा कि इससे समय की बचत होगी और खर्च भी कम होगा। श्री मोदी ने कहा कि लगभग 80,000 यात्री ट्रेनें और 30,000 ट्रक एक वर्ष में इस नई सेवा का लाभ ले सकेंगे।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि सौराष्ट्र और सूरत के बीच बेहतर संपर्क इन क्षेत्रों में लोगों के जीवन को बदलने वाला है। उन्होंने कहा कि फल, सब्जियां और दूध अब आसानी से ले जाया जा सकता है और इस सेवा के कारण प्रदूषण भी कम होगा। श्री मोदी ने उन सभी इंजीनियरों, श्रमिकों को धन्यवाद दिया, जो बहुत सारी चुनौतियों के बीच सुविधा विकसित करने के लिए साहसी बने रहे। ■

राष्ट्रीय आपदा राहत कोष के तहत 6 राज्यों के लिए 4,381.88 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता को मंजूरी

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति ने 13 नवंबर को 6 राज्यों को राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) के तहत 4,381.88 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता को मंजूरी दी, जो इस वर्ष के दौरान चक्रवात/बाढ़/भूस्खलन से प्रभावित थे।

- चक्रवात 'अम्फान' को लेकर पश्चिम बंगाल के लिए 2,707.77 करोड़ रुपये और ओडिशा के लिए 128.23 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।
- महाराष्ट्र के लिए चक्रवात 'निसर्ग' के लिए 268.59 करोड़ रुपये मंजूर किए गए।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान बाढ़ और भूस्खलन हेतु कर्नाटक के लिए 577.84 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश के लिए 611.61 करोड़ रुपये और सिक्किम के लिए 87.84 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए।

चक्रवात 'अम्फान' के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 22 मई, 2020 को पश्चिम बंगाल और ओडिशा के प्रभावित राज्यों का दौरा किया था। प्रधानमंत्री द्वारा की गई घोषणा के अनुसार इन राज्यों में तत्काल राहत गतिविधियों के लिए 23 मई, 2020 को अग्रिम तौर पर पश्चिम बंगाल के लिए 1,000 करोड़ रुपये और ओडिशा के लिए 500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता जारी की गई थी। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि की भी घोषणा की थी, जो राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) और एनडीआरएफ के माध्यम से प्रदान की गई अनुग्रह राशि के अतिरिक्त थी।

सभी 6 राज्यों में प्रभावित राज्य सरकारों से ज्ञापन की प्राप्ति की प्रतीक्षा किए बिना केन्द्र सरकार ने आपदाओं के तुरंत बाद अंतर-मंत्रालयी केन्द्रीय टीमों को तैनात किया था। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान अब तक केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ से 28 राज्यों के लिए 15,524.43 करोड़ रुपये जारी किए हैं। ■

'वन रैंक वन पेंशन' के तहत 42,740 करोड़ रुपए हुए वितरित

भाजपानीत केंद्र की राजग सरकार के ऐतिहासिक निर्णय 'वन रैंक वन पेंशन' (ओआरओपी) के लागू होने के बाद से 20,60,220 रक्षा बल पेंशन भोगियों/रक्षा बल परिवार पेंशन भोगियों में 42,740 करोड़ रुपए वितरित किए गए। ओआरओपी के कारण हर साल करीब 7123.38 करोड़ रुपए का खर्च आता है और एक जुलाई, 2014 से करीब छह साल तक 42,740.28 करोड़ खर्च किए गए।

ओआरओपी लाभार्थियों को 2.57 के मल्टीप्लिकेशन फैक्टर से पेंशन की गणना करते समय सातवीं सीपीसी के तहत पेंशन के निर्धारण का लाभ भी मिला। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने 7 नवंबर, 2015 को एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 'वन रैंक, वन पेंशन' लागू करने का आदेश दिया था जो 1 जुलाई, 2014 से प्रभावी हुआ।

ओआरओपी से पड़ने वाले भारी वित्तीय बोझ के बावजूद केंद्र सरकार ने यह योजना लागू की जो पूर्व सैन्यकर्मियों के कल्याण को लेकर उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस योजना के दायरे में 30 जून, 2014 तक सेवानिवृत्त हुए सैन्य बल कर्मी आते हैं।

रक्षा पेंशन की विशालता और जटिलता को ध्यान में रखते हुए ओआरओपी के कार्यान्वयन पर सरकारी आदेश जारी करने से पहले विशेषज्ञों और पूर्व सैन्यकर्मियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया गया था।

पूर्व सैन्यकर्मी करीब 45 वर्षों से ओआरओपी के कार्यान्वयन की मांग के लिए आंदोलन करते आ रहे थे, लेकिन 2015 से पहले इसे कभी लागू नहीं किया गया।

ओआरओपी का मतलब है कि सेवानिवृत्त होने की तारीख से इतर समान सेवा अवधि और समान रैंक पर सेवानिवृत्त हो रहे सशस्त्र सैन्यकर्मियों को एक समान पेंशन दिया जाएगा। इस तरह से ओआरओपी का मतलब आवधिक अंतरालों पर वर्तमान और पिछले सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों की पेंशन की दर के बीच के अंतर को पाटना है।

लोग दशकों से ओआरओपी का इंतजार कर रहे थे: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 7 नवंबर को 'वन रैंक वन पेंशन' के पांच साल पूर होने के अवसर पर पूर्व सैनिकों के योगदान पर आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि आज से पांच साल पहले भारत ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया था। जिसके तहत देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के बेहतर भविष्य के लिए फैसला किया गया था।

श्री मोदी ने कहा कि ओआरओपी का पांच साल पूरा होना एक उल्लेखनीय पल है। भारत के लोग दशकों से ओआरओपी का इंतजार कर रहे थे। मैं अपने पूर्व सैनिकों की सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। ■

पीएसएलवी-सी49 ने 10 उपग्रहों को सफलतापूर्वक कक्षा में किया स्थापित

पीएसएलवी-सी49 ने 7 नवंबर को 10 उपग्रहों को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इसमें भारत के नवीनतम भू-पर्यवेक्षण उपग्रह ईओएस-01 और नौ अन्य उपग्रह शामिल हैं। ईओएस-01 से कृषि, वानिकी और आपदा प्रबंधन में मदद मिलेगी। प्रक्षेपित उपग्रहों में लिथुआनिया (1), लक्जमबर्ग (4) और अमेरिका (4) के उपग्रह शामिल थे।

मिशन की सफलता के बाद इसरो चेयरमैन श्री के. सिवन ने कहा कि यह स्पेस एजेंसी के लिए बहुत ही खास और असाधारण मिशन था।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और भारतीय अंतरिक्ष उद्योग को पीएसएलवी-सी49/ईओएस-01 के सफलतापूर्वक प्रक्षेपण के लिए बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में 7 नवंबर को कहा कि मैं इसरो और भारतीय अंतरिक्ष उद्योग को पीएसएलवी-सी49/ईओएस-01 मिशन के आज सफलतापूर्वक प्रक्षेपण के लिए बधाई देता हूं। कोविड-19 के दौर में वैज्ञानिकों ने सभी चुनौतियों का सामना करते हुए समय-सीमा का पालन किया है। इस मिशन में नौ सेटेलाइट को भी लांच किया गया है, जिसमें अमेरिका और लक्जमबर्ग के 4 और लिथुआनिया का एक सेटेलाइट भी शामिल हैं।

उपग्रहों के सफल प्रक्षेपण पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने ट्वीट कर कहा कि ईओएस-01 समेत अन्य राष्ट्रों के 9 उपग्रहों को ले जाने वाले पीएसएलवी-सी49 के सफल प्रक्षेपण के लिए इसरो को बधाई। यह अद्भुत उपलब्धि आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है और इस कठिन समय में भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों की निरंतरता को दर्शाता है। ■

राष्ट्र की सुरक्षा के प्रश्न को सर्वोपरि महत्त्व दिया जाए

| दीनदयाल उपाध्याय |

गतांक का शेष...

पाकिस्तान और चीन इस समय भारत के भूभाग को दबाए हुए बैठे हैं। युद्धविराम रेखा समझौते के कारण कश्मीर का एक-तिहाई भूभाग पाकिस्तान के क़ब्ज़े में है। चीन ने भारतीय भूभाग के विशाल क्षेत्र पर अपना दावा उपस्थित कर उसके कुछ अंश को हस्तगत कर लिया है और सभी समझौतों को तोड़ते हुए वह अपनी ज़िद पर अड़ा है। भारत सरकार ने भी उक्त क्षेत्र को मुक्त करने की दृष्टि से कोई भी पग नहीं उठाया है। जहां तक पाकिस्तान का संबंध है, उसने युद्ध विराम रेखा का बड़े पैमाने पर उल्लंघन नहीं किया है। यद्यपि समय-समय पर पाकिस्तानी उक्त रेखा को पारकर भारतीय ग्रामों में लूटमार करते रहते हैं और पाकिस्तान 'जेहाद' की धमकियां देता रहता है। पूर्वी सीमा पर भी तुकेरग्राम और पथरिया जंगल के क्षेत्र में फायरिंग आदि की घटनाएं हई हैं और पाकिस्तान ने अपना अनुचित अधिकार वहां पर बना रखा है। किंतु चीन भारत को बराबर धमकियां देने के साथ आगे भी बढ़ता जाता है और भारतीय विरोध-पत्रों को उसने कभी भी मान्य नहीं किया है।

कम्युनिस्टों द्वारा वाक्छल का सहारा

स्वतंत्र पार्टी पाक-अधिकृत कश्मीर के भूभाग को मुक्त कराने के प्रश्न पर मौन है। प्र.स. दल ने अपनी विदेश नीति का विवेचन करते हए कहा है कि जब पाक और चीन ने इस क्षेत्र पर आक्रमण किया है तो प्रतिरक्षा मंत्रालय और विदेश-विभाग का इन क्षेत्रों को मुक्त करना प्राथमिक कर्तव्य है। पश्चिमी क्षेत्र में भारत की सीमाओं की चर्चा करते हुए कम्युनिस्ट पार्टी ने कहा है कि 'संपूर्ण जम्मू और कश्मीर राज्य, जिसमें पाक अधिकृत भूभाग भी सम्मिलित है, भारत का भाग है।' इसके अतिरिक्त चीनी आक्रमण की ओर से लोगों का ध्यान हटाने के लिए कम्युनिस्ट पार्टी पाकिस्तान के काले कारनामें का उल्लेख कर रही है। परंतु अपने घोषणा-पत्र में वे अपेक्षाकृत शांत और नम्र इसका कारण यह है कि यदि पाकिस्तान के विरुद्ध उस कार्रवाई की मांग उन्हान का उन्हें भय है कि कहीं चीन का प्रतिकार करने की भी भावना समाज में उत्पन्न न हो जाए और इसलिए वे शब्दाडंबर करते हुए वाक्छल

कर रहे हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणा-पत्र में पाक और चीन अधिकृत भूभाग के लिए पैराग्राफ दिया है और आशा प्रकट का इन क्षेत्रों को मुक्त करा लिया जाएगा। उन्होंने अपनी बात को पुनः दुहराया है कि 'अब और आगे आक्रमण' हम बरदाश्त नहीं करेंगे। पर आक्रमण को समाप्त करने के लिए शक्ति प्रयोग करने के विषयों में चुप हैं। अतः कांग्रेस के विषय में यह कहा जा सकता है कि इन प्रश्नों पर उसकी वही नीति रहेगी जो अब तक है।

स्वतंत्र पार्टी की यह मांग

स्वतंत्र पार्टी चीन के ख़तरे को अनुभव करती है और उसे पाकिस्तान के संकट से भयानक भी मानती है। इसलिए उन्होंने पाकिस्तान से संयुक्त सुरक्षा संधि की बात भी कही थी। उनका शायद यह भी मत है, कम्युनिस्ट चीन की चुनौती के कारण हमें अपनी तटस्थ नीति का परित्याग कर पश्चिमी गुट में सम्मिलित हो जाना चाहिए। फिर भी चीन के विरुद्ध सैनिक शक्ति का प्रयोग करने के वे विरुद्ध हैं और उनके आगरा-अधिवेशन में इस आशय के एक संशोधन का उत्तरदायी अधिकारियों ने विरोध किया था और वह अस्वीकृत हो गया था।

कम्युनिस्ट चीन को आक्रामक नहीं मानते

चीनी आक्रमण के प्रश्न पर कम्युनिस्ट विचित्र संकट में पड़ जाते हैं। यद्यपि कम्युनिस्ट पार्टी को मैकमोहन रेखा और परंपरागत सीमाओं को मानने के लिए तो बाध्य होना पड़ा है और उनके महामंत्री श्री अजय घोष ने यह भी कहा है कि यदि चीनी मैकमोहन रेखा को पार करते हैं और उस अवस्था में भारत सरकार जो भी क़दम उठाएगी, उसका वे समर्थन करेंगे। परंतु वे जानते हैं कि चीनी ऐसा करनेवाले नहीं हैं और वे यह भी समझते हैं कि वर्तमान भारत सरकार चीन के विरुद्ध शस्त्र उठाने वाली नहीं है। अतः वैसे भी और विशेषकर अब इस निर्वाचन-काल में वह उक्त कथन कहकर भारत सरकार को आश्वस्त कर सकते हैं। किंतु कम्युनिस्ट पार्टी चीन को आक्रामक कहने को तत्पर नहीं है। दिनांक 18 दिसंबर, 1961 के 'स्टेट्समैन' के अनुसार जलपाईगुड़ी की एक सभा में भाषण करते हुए संसद् सदस्या श्रीमती रेणु चक्रवर्ती ने यही बात दुहराई है

और कहा है कि यह ग़लतफ़हमी वार्ता द्वारा दूर की जा सकती है। इतना ही नहीं वार्ता की विफलता के लिए भी उन्होंने भारत को दोषी ठहराया है, पर यह उनका निजी मत न होकर पार्टी का मत है। उनके घोषणपत्र में कहा गया है कि 'हम सदा से कहते आए हैं कि भारत और चीन के इस 'विवाद' (आक्रमण नहीं) का समाधान शांतिपूर्ण वार्ता के जरिए होना चाहिए और यह बात राष्ट्रों के बीच विवाद के संबंध में भारत के दृष्टिकोण से पूरी तरह मेल रखती है। इसमें संदेह नहीं कि भारत और चीन के बीच आज खड़ी हो गई समस्याओं के समाधान के लिए भारत का एकमात्र सही नीति पर आरूढ़ रहना हमारे राष्ट्र की महानता का प्रतीक है। हमारी पार्टी को विश्वास है कि चीन के साथ शांतिपूर्ण वार्ता, जिसे अब राजनीतिक आधार पर आगे बढ़ने की ज़रूरत है और जिसमें देश की सार्वभौमिक अखंडता और दोनों देशों के बीच मैत्री को स्वभावतः सर्वोच्च महत्त्व दिया जाएगा, सफल होगी और वर्तमान दुःखद अध्याय समाप्त होगा।

चीन और पाक दोनों आक्रामक

भारतीय जनसंघ का मत इस विषय में पूर्णरूपेण स्पष्ट है। उसका कहना है कि चीन और पाकिस्तान दोनों के आक्रमण समाप्त होने चाहिए। उसने सीमा सुरक्षा को सर्वाधिक महत्त्व दिया है। वह भारत के प्रत्येक इंच भूभाग की अक्षरशः मुक्ति का समर्थन है। उसके घोषणा-पत्र में कहा गया है कि 'भारत की सीमाओं का अतिक्रमण हुआ है। एक ओर पाकिस्तान ने तो दूसरी ओर चीन ने हमारे देश में काफ़ी बड़े क्षेत्र को अपने क़ब्जे में कर लिया है। राष्ट्र द्वारा आक्रमण का सफल प्रतिकार करने की क्षमता के बावजूद अपनी तुष्टीकरण और ढुलमुल नीति के फलस्वरूप कांग्रेस सरकार ने देश का मनोबल क्षीण किया है और शत्रु को अपनी स्थिति सुदृढ़ करने का मौक़ा प्रदान किया है। भारतीय जनसंघ देश की स्वतंत्रता और सार्वभौमिकता को दी गई, इस चुनौती का मुक़ाबला प्रत्येक उपाय से करेगा और भारत के प्रत्येक इंच भूभाग को मुक्त कराएगा।'

कश्मीर के संबंध में अपनी प्रतिज्ञा को उसने निम्न शब्दों में दुहराया है-

'भारतीय जनसंघ कश्मीर पर किए गए किसी भी आक्रमण को भारत पर आक्रमण समझता है और इस कारण पाकिस्तान और चीन के क़ब्ज़े में पड़े भूभाग को मुक्त कराने के लिए वह प्रत्येक उपाय का सहारा लेगा।'

• देश की अखंडता उन लोगों के द्वारा सुरक्षित नहीं रह सकती, जो केवल बैठकर हिसाब जोड़ते हैं और जिनमें साहस एवं शक्ति के साथ परिस्थिति का सामना करने की क्षमता नहीं है। उसकी रक्षा तो वही कर सकते हैं, जिनमें देश के प्रति श्रद्धा और आत्मगौरव का भाव है और जो पवित्र मातृभूमि के लिए सर्वस्व की बलि चढ़ा देने का संकल्प रखते हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् गठित की जाए

जहां तक सैन्य सेवाओं के संगठन का प्रश्न है, कम्युनिस्ट और कांग्रेस पूर्णतः चुप हैं। जनसंघ और प्र.स. दल 'राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद्' (National Defence Council) की स्थापना के समर्थक हैं और स्वतंत्र पार्टी का मत है कि सेनाओं में घुसे राजनीतिक प्रभाव को, जिससे सेना में कमज़ोरी आती है, समाप्त करना चाहिए। (संभवतः यह निर्देश कृष्ण मेनन की ओर है) और सेनाओं को योग्य रीति से सुसज्जित कर सेना के पुराने कर्मचारियों की कठिनाइयों को हल किया जाना चाहिए।

सुरक्षा योजना पंचवर्षीय योजना का अंग बने

जनसंघ और प्र.स. दल प्रादेशिक सेना और एन.सी.सी. के विस्तार के समर्थक हैं। पर जनसंघ पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत एक सुरक्षा योजना की भी आवश्यकता अनुभव करता है, क्योंकि किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति उस देश की रक्षा क्षमता से जुड़ी रखती है। हम उनको पृथक रीति से नहीं देख सकते। सैनिक विषयों में हम चीन और पाकिस्तान के मुक़ाबले संतुलन प्रस्थापित करना चाहते हैं। घोषणा-पत्र में कहा गया है कि 'चीन और पाकिस्तान दोनों के ही आक्रामक एवं गर्हित मंतव्यों को देखते हुए देश की सुरक्षा व्यवस्था में पर्याप्त सुधार करना आवश्यक है। सेनाओं को आधुनिकतम शस्त्रों से सज्ज करना चाहिए। प्रक्षेपास्त्र, पनडुब्बियां, युद्धक-विमान आदि का निर्माण अथवा उन्हें किसी भी शक्ति गुट में सम्मिलित हुए बिना उपलब्ध कराना हमारा अभीष्ट है।'

तैयारी चाहिए

आज की स्थिति सर्वाधिक तैयारी चाहती है। अतः हमारा नारा 'राष्ट्र का सैनिकीकरण' और सेना का आधुनिकीकरण करो' होना चाहिए। इसी भांति सीमाओं के विषय में हमारी नीति उनकी रक्षा की होनी चाहिए, न कि वार्ता और विवाद की और यदि आक्रमण किया जाता है तो आक्रामकों को खदेड़ देना चाहिए, न कि उनके प्रति तुष्टीकरण की नीति अपनाई जाए। हमें आज योद्धा चाहिए, केवल विरोध करनेवाले नहीं। देश की अखंडता उन लोगों के द्वारा सुरक्षित नहीं रह सकती, जो केवल बैठकर हिसाब जोड़ते हैं और जिनमें साहस एवं शक्ति के साथ परिस्थिति का सामना करने की क्षमता नहीं है। उसकी रक्षा तो वही कर सकते हैं, जिनमें देश के प्रति श्रद्धा और आत्मगौरव का भाव है और जो पवित्र मातृभूमि के लिए सर्वस्व की बलि चढ़ा देने का संकल्प रखते हैं। ■ (समाप्त)

-पाञ्चजन्य, जनवरी २१, १९६२, संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग : लखनऊ

नहीं रहे गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल

(24 जुलाई, 1928 - 29 अक्टूबर, 2020)

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और लोकप्रिय नेता श्री केशुभाई पटेल का 29 अक्टूबर को निधन हो गया। वे 92 वर्ष के थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों और निचले तबके के लोगों की सेवा में लगा दिया।

श्री केशुभाई पटेल का जन्म गुजरात के जूनागढ़ में 24 जुलाई, 1928 को हुआ था। उन्होंने जनसंघ और भाजपा को गुजरात के हर क्षेत्र में न सिर्फ पहुंचाया, बल्कि मजबूत भी किया। श्री केशुभाई पटेल 1995 और 1998 से 2001 तक दो बार गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। वे 6 बार गुजरात विधानसभा के लिए चुने गए। आपातकाल के बाद 1977 में श्री केशुभाई पटेल राजकोट से लोकसभा के लिए चुने गए। बाद में उन्होंने संसद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

श्री केशुभाई पटेल विराट व्यक्तित्व के धनी थे। एक तरफ व्यवहार में सौम्यता और दूसरी तरफ फैसले लेने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति उनकी बहुत बड़ी विशेषता थी। उन्होंने अपने जीवन का प्रतिपल समाज के

लिए, समाज के हर वर्ग की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था। ■

शोक संदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री केशुभाई पटेल के निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री मोदी ने कई ट्वीट कर कहा कि हमारे प्रिय और सम्मानित केशुभाई का निधन हो गया है। मुझे इससे काफी आघात पहुंचा है। वह एक विख्यात राजनेता थे उन्होंने समाज के हर वर्ग की बेहतरी के लिए काम किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन गुजरात के विकास और प्रत्येक गुजराती के सशक्तिकरण में लगा दिया। उन्होंने कहा कि केशुभाई ने जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करने के लिए पूरे गुजरात की यात्रा की और उन्होंने आपातकाल का जमकर विरोध किया था। किसानों से जुड़े मसलों को लेकर वह हमेशा संवेदनशील रहते थे चाहे वह विधायक, सांसद, मंत्री अथवा मुख्यमंत्री के पद पर रहे हों, उन्होंने हमेशा किसानों के हितों के अनुकूल फैसले लिए और इन्हें क्रियान्वित भी किया।

श्री मोदी ने कहा कि केशुभाई मुझ समेत अन्य युवा कार्यकर्ताओं के लिए विश्वसनीय मार्गदर्शक बने। सभी को उनका मिलनसार स्वभाव पसंद था। उनका निधन एक अपूरणीय क्षति है और उनके निधन से आज हम सभी दुःखी हैं। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और शुभचिंतकों के साथ हैं।

श्री केशुभाई पटेल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कई ट्वीट कर कहा कि भाजपा परिवार के वरिष्ठ नेता एवं गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री केशुभाई पटेल जी के निधन के दुखद समाचार प्राप्त हुआ। जनसंघ के समय से ही संगठन के लिए कार्य करते हुए भाजपा को यशस्वी बनाने और गुजरात की सेवा करने के लिए आपको सदैव याद किया जाएगा। श्री नड्डा ने कहा कि गुजरात में कार्य करते हुए आपने जन-जन के उत्थान के लिए अनेक प्रेरक प्रयास किये हैं, जिन्होंने गुजरात के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। आपका जाना समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवार को संबल तथा पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों मे स्थान दें।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री केशुभाई पटेल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। अपने ट्वीट में श्री शाह ने कहा कि गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। उनका लम्बा सार्वजनिक जीवन गुजरात की जनता की सेवा में समर्पित रहा। केशुभाई के निधन से गुजरात की राजनीति में ऐसी रिक्तता आयी है जिसका भरना आसान नहीं है। उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। श्री शाह ने यह भी कहा कि भाजपा में रहते हुए गुजरात में संगठन को सशक्त करने में केशुभाई ने अहम भूमिका निभाई। सोमनाथ मंदिर के ट्रस्टी के रूप में उन्होंने मंदिर के विकास में हमेशा बढ़-चढ़कर सहयोग किया। अपने कार्यों व व्यवहार से केशुभाई सदैव हमारी स्मृति में रहेंगे। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

भारत और अमेरिका ने महत्वपूर्ण रक्षा समझौते 'बीईसीए' पर किया हस्ताक्षर

भारत और अमेरिका ने एक महत्वपूर्ण रक्षा समझौते 'बीईसीए' पर हस्ताक्षर किया जिसमें अत्याधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी, उपग्रह के गोपनीय डाटा और दोनों देशों की सेनाओं के बीच अहम सूचना साझा करने की अनुमति होगी।

दोनों देशों के बीच 27 अक्टूबर को नयी दिल्ली में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में यह समझौता हुआ और इसके साथ ही उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा संबंधों और रणनीतिक सहयोग को और बढ़ाने का फैसला किया।

विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी विदेश मंत्री श्री माइक पोम्पिओ और रक्षा मंत्री श्री मार्क टी एस्पर के साथ 2+2 वार्ता के तीससे चरण के तहत बातचीत की।

श्री जयशंकर, श्री पोम्पिओ और श्री एस्पर के साथ संयुक्त रूप से मीडिया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सेना से सेना के स्तर पर अमेरिका के साथ हमारा सहयोग काफी अच्छे से आगे बढ़ रहा है और रक्षा उपकरणों के संयुक्त विकास के लिये परियोजनाओं को चिन्हित किया गया है।

श्री सिंह ने कहा कि हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को लेकर अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करते हैं। श्री पोम्पिओ ने अपनी टिप्पणी में कहा कि यात्रा के दौरान वे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के सम्मान में बलिदान देने वाले शहीदों, जिनमें जून में गलवान घाटी में चीन की पीएलए द्वारा मारे गए 20 भारतीय सैन्यकर्मी भी शामिल हैं, को श्रद्धांजलि देने समर स्मारक भी गए।

श्री पोम्पिओ ने कहा कि भारत के लोग जब अपनी संप्रभुता और स्वतंत्रता पर खतरे का सामना करते हैं तो अमेरिका उनके साथ खड़ा होगा। श्री जयशंकर ने कहा कि भारत-अमेरिका राष्ट्रीय सुरक्षा तालमेल में वृद्धि हुई है और हिंद-प्रशांत चर्चा का एक केंद्र था। अमेरिकी रक्षा मंत्री श्री एस्पर ने कहा कि द्विपक्षीय रक्षा सहयोग लगातार बढ़ रहा है। रणनीतिक संबंधों के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण 'बीईसीए' पर दस्तखत के साथ दोनों देशों के बीच चार महत्वपूर्ण करार को अंतिम रूप दे दिया गया। दोनों देशों ने जनरल सिक्युरिटी ऑफ मिलिट्री इनफॉर्मेशन एग्रीमेंट (जीएसओएमआईए) पर 2002 में दस्तखत किए थे। ■

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो बाइडेन और कमला हैरिस को दी जीत की बधाई

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 8 नवंबर को अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति श्री जो बाइडेन और उप-राष्ट्रपति सुश्री कमला हैरिस को जीत की बधाई दी।

अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि जो बाइडेन आपकी शानदार जीत पर बधाई! उप राष्ट्रपति के रूप में भारत-अमेरिकी संबंधों को मजबूत करने में आपका योगदान महत्वपूर्ण एवं अमूल्य रहा है। मैं भारत-अमेरिकी संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निकटतापूर्वक एक साथ मिलकर काम करने की फिर से आशा करता हूं।

श्री मोदी ने नव-निर्वाचित अमेरिकी उप राष्ट्रपति सुश्री कमला हैरिस को भी बधाई दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि कमला हैरिस को हार्दिक बधाइयां! आपकी सफलता अभूतपूर्व है और यह न केवल आपके चिट्टियों (तमिल में- मौसियों) के लिए, बल्कि सभी भारतीय-अमेरिकियों के लिए भी अत्यंत गर्व का विषय है। मुझे विश्वास है कि आपके समर्थन और नेतृत्व से सशक्त भारत-अमेरिकी संबंध और भी अधिक मजबूत होंगे। ■

प्रधानमंत्री से अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट और सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस ने की मुलाकात

अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट एच.ई.माइकल आर.पॉम्पियो और सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस एच.ई.डॉ मार्क टी.एस्पर ने 27 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

इस मौके पर उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति का अभिवादन प्रधानमंत्री तक पहुंचाया। प्रधानमंत्री ने भी फरवरी, 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति की सफल भारत यात्रा को याद करते हुए अपना अभिवादन अमेरिकी राष्ट्रपति को अमेरिकी प्रतिनिधियों से देने को कहा।

अमेरिकी सेक्रेटरी ऑफ स्टेट और सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस ने प्रधानमंत्री को दोनों देश के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक और भारत-अमेरिका के बीच सफलतापूर्वक हुई तीसरी 2+2 वार्ता के बारे में भी जानकारी दी। दोनों सेक्रेटरी ने कहा कि अमेरिकी सरकार लगातार रिश्तों को मजबूत करने के लिए भारत के साथ मिलकर काम कर रही है। जिससे कि दोनों देश अपने विजन और लक्ष्य को हकीकत में बदल सकें।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी 2+2 वार्ता के तीसरे सफल आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में दोनों देश, जिस तरह से विकास के लिए वैश्विक रणनीतिक साझेदारी कर आगे बढ़े हैं, वह काफी संतोषजनक है। इस मौके पर उन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत भरोसे, साझा मूल्य और नागरिकों के आपसी सहयोग का भी उल्लेख किया। ■

भारत अपनी संप्रभुता और अस्मिता की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयारः नरेन्द्र मोदी

मजबूत आत्मनिर्भर भारत के लिए 130 करोड़ भारतीय कार्यरत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर को गुजरात के केवड़िया में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित एकता समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की और एकता का संकल्प लेते हुए इस मौके पर आयोजित एकता दिवस परेड में भी हिस्सा लिया।

इस मौके पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि केवड़िया के समन्वित विकास के लिए विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है, जो इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने में मददगार साबित होंगे। उन्होंने कहा कि अब पर्यटकों के पास सरदार साहब के दर्शन करने और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को देखने के लिए समुद्री विमान का विकल्प है।

महर्षि वाल्मीकि द्वारा सांस्कृतिक एकता

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि कुछ सदियों पहले आदि कवि महर्षि वाल्मीकि ने भारत को अधिक प्रगतिशील, ऊर्जावान और सांस्कृतिक रूप से एकीकृत करने के लिए काफी प्रयास किए थे। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि वाल्मीकि जयंती और एकता दिवस दोनों एक ही दिन हैं और जिस प्रकार देश ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए अपनी सामूहिक शक्ति को साबित किया है, वह काफी अभूतपूर्व है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब कश्मीर विकास के नए रास्ते की ओर बढ़ चुका है और उसके विकास में जो बाधाएं आ रही थीं, वह पीछे रह गई है। उन्होंने कहा कि आज देश में एकता के नये आयाम स्थापित किए जा रहे हैं और पूर्वोत्तर राज्यों में शांति की स्थापना के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं तथा इस क्षेत्र के विकास के लिए अनेक पहल भी की गई है।

उन्होंने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण देश की सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को बनाए रखने का एक प्रयास है और सरदार पटेल ने भी यही सपना देखा था।

आत्मनिर्भर भारत

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज 130 करोड़ देशवासी एक साथ मिलकर एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं, जो बहुत ही मजबूत और सक्षम है और जहां सभी के लिए समानता होनी चाहिए तथा सभी के लिए अवसर भी हैं। एक आत्मनिर्भर देश ही अपनी प्रगति और सुरक्षा को लेकर आश्वस्त हो सकता है और रक्षा तथा अनेक क्षेत्रों में देश आत्मनिर्भर बनने की राह पर चल रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के प्रति भारत के दृष्टिकोण और सोच में बदलाव आ चुका है। उन्होंने पड़ोसी देशों की आलोचना करते हुए कहा कि ऐसे देश जो भारत की भूमि पर नजर रख रहे हैं, उन्हें करारा जवाब दिया जा रहा है। सीमावर्ती

प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर को सरदार पटेल को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता के अग्रदूत लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि।

क्षेत्रों में देश सैकड़ों किलोमीटर सड़कें, दर्जनों पुलों और अनेक सुरंगों का निर्माण कर रहा है, उन्होंने कहा कि आज का भारत अपनी संप्रभुता और अस्मिता की रक्षा करने में पूरी तरह तैयार है।

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने की आवश्यकता

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन प्रयासों के अलावा भारत और विश्व के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं, जिनका वे सामना कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ जिस प्रकार कुछ लोग सामने आए हैं, वह वैश्विक चिंता का विषय है और सभी देशों, सभी सरकारों, सभी धर्मों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि शांति, बंधुत्व और एक-दूसरे का सम्मान करने की प्रवृति ही मानवता की वास्तविक पहचान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद-हिंसा से किसी का भी कल्याण नहीं हो सकता है और हमारी विविधता ही हमारा अस्तित्व है और हम इसी वजह से इतने असाधारण हैं।

श्री मोदी ने स्मरण दिलाया कि भारत की यही एकता वह शक्ति है, जो दूसरे देशों को झुकाती है और ऐसे देश ही हमारे विविधता को हमारी कमजोरी बनाना चाहते हैं। इसलिए ऐसी ताकतों की पहचान किए जाने की जरूरत है और इनसे सावधान रहना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब वह अर्धसैनिक बलों की परेड देख रहे थे, तो उन्हें पुलवामा हमले की घटना का स्मरण हुआ। देश इस घटना को कभी नहीं भूल सकता है और जिन बहादुर बेटों ने अपनी शहादत दी, उनके प्रति राष्ट्र दुःखी है।

श्री मोदी ने कहा कि उस घटना को लेकर जिस तरह के बयान दिए गए उन्हें देश कभी नहीं भूलेगा और पड़ोसी देश की संसद में हाल ही में जिस प्रकार के बयान दिए गए हैं वह सच्चाई को सामने ला रहे हैं। उन्होंने देश में द्वेषपूर्ण राजनीति पर खेद व्यक्त किया, जो स्वार्थ और घमंड पर आधारित है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पुलवामा हमले के बाद जिस प्रकार की राजनीति की गई, वह इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है कि लोग अपने राजनीतिक हितों के लिए किस सीमा तक जा सकते हैं। उन्होंने ऐसे राजनीतिक दलों से देश की सुरक्षा के हितों के लिए काम करने और सुरक्षा बलों के मनोबल को बढ़ाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

श्री मोदी ने कहा कि जानते हुए या ना जानते हुए आप अपने स्वार्थ के लिए राष्ट्र विरोधी ताकतों के हाथों में खेल रहे हैं और ऐसा करके आप न तो देश के हित में और न ही अपनी पार्टी के हित में काम करने में सक्षम होंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के हित ही हम सभी के सर्वोपरि हित होने चाहिए और जब हम प्रत्येक व्यक्तियों के हितों के बारे में सोचेंगे, तभी प्रगति कर सकेंगे। ■

अक्टूबर, 2020 में जीएसटी संग्रह 8 महीने में पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के पार

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह का आंकड़ा अक्टूबर, 2020 में 1.05 लाख करोड़ रुपये रहा है। फरवरी के बाद पहली बार जीएसटी संग्रह का आंकड़ा एक लाख करोड़ रुपये के पार गया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से 1 नवंबर को यह जानकारी दी गई। वित्त मंत्रालय ने बताया कि 31 अक्टूबर, 2020 तक दाखिल किए गए कुल जीएसटीआर-3बी रिटर्न की संख्या 80 लाख पर पहुंच गई है।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अक्टूबर, 2020 में कुल जीएसटी संग्रह 1,05,155 करोड़ रुपये रहा। इसमें सीजीएसटी का हिस्सा 19,193 करोड़ रुपये, एसजीएसटी का 25,411 करोड़ रुपये, आईजीएसटी का 52,540 करोड़ रुपये (इसमें वस्तुओं के आयात पर 23,375 करोड़ रुपये का संग्रह भी शामिल है) और 8,011 करोड़ रुपये का उपकर (932 करोड़ रुपये आयातित वस्तुओं पर) शामिल है।

अक्टूबर, 2020 में जीएसटी संग्रह पिछले साल के समान महीने से 10 प्रतिशत अधिक रहा है। अक्टूबर, 2019 में जीएसटी संग्रह 95,379 करोड़ रुपये रहा था। ■

फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमान का दूसरा जत्था भारत पहुंचा

फ्रांस से राफेल लड़ाकू विमान का दूसरा जत्था 4 नवंबर, 2020 को भारत पहुंचा। दूसरे बैच में तीन राफेल लड़ाकू विमान भारत के जामनगर हवाई अड्डे पर उतरे। तीनों राफेल लड़ाकू विमानों ने एक फ्रांसीसी एयरबेस से उड़ान भरी और तीन मिड-एयर रिफ्यूलिंग के बाद भारत पहुंचे। दूसरे बैच के साथ ही भारतीय वायुसेना में राफेल लड़ाकू की कुल संख्या आठ हो गई है।

इससे पहले 29 जुलाई को फ्रांस से भारत राफेल विमानों का पहला जत्था पहुंचा था, जिसमें पांच लड़ाकू विमान शामिल थे। बाद में 10 सितम्बर को रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह ने फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लॉरेंस पारले के साथ हरियाणा के अंबाला में वायु सेना में आधिकारिक तौर पर शामिल किया था।

अंबाला पहुंचने वाले पांच राफेल में दो विमान दो सीटों प्रशिक्षण विमान और तीन विमान एक सीट वाले मुख्य युद्धक लड़ाकू विमान थे। राफेल लड़ाकू के पहले स्क्वाड्रन 17 गोल्डन ऐरो को अंबाला में सृजित किया गया है, जबकि इसका दूसरा स्क्वाड्रन पश्चिम बंगाल के हशिमारा में होगा। ■

स्वास्थ्य सुविधाओं का केंद्र बनता जा रहा है वाराणसी: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री ने 220 करोड़ रुपये की लागत वाली 16 योजनाओं का शुभारंभ किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 9 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से वाराणसी में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन/शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने 220 करोड़ रुपये की लागत वाली 16 योजनाओं का शुभारंभ किया। वाराणसी में 400 करोड़ रुपये लागत की 14 योजनाओं पर काम पहले ही शुरू हो चुका है।

जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, उनमें सारनाथ लाइट एंड साउंड शो, लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल, रामनगर का उन्नयन, सीवर से संबंधित कार्य, गायों की सुरक्षा और संरक्षण, बुनियादी ढांचा सुविधाएं, बहुउद्देशीय बीज भंडार गृह, 100 मीट्रिक टन के कृषि उपज वेयरहाउस, आईपीडीएस चरण 2, सम्पूर्णानंद स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए आवास परिसर, वाराणसी शहर में स्मार्ट लाइटिंग कार्य के साथ-साथ 105 आंगनवाड़ी केंद्रों और 102 गौ आश्रय केंद्र शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 6 वर्षों के दौरान वाराणसी में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे के निर्माण में अभूतपूर्व काम किया गया है। आज न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि एक तरह से पूरे पूर्वांचल के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का केंद्र बनता जा रहा है। उन्होंने वाराणसी क्षेत्र में राम नगर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के आधुनिकीकरण जैसे स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में किए गए कार्यों को सूचीबद्ध किया।

श्री मोदी ने यह टिप्पणी की कि आज वाराणसी में चौतरफा विकास हो रहा है और पूर्वांचल सहित पूरा पूर्वी भारत इसका लाभ उठा रहा है। उन्होंने कहा कि अब पूर्वांचल के लोगों को अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दिल्ली और मुंबई नहीं जाना पड़ेगा।

• आज वाराणसी में चौतरफा विकास हो रहा है और पूर्वांचल सहित पूरा पूर्वी भारत इसका लाभ उठा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वाराणसी में पर्यटन शहर की विकास योजना का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यह विकास अपने आप में इस बात का उदाहरण है कि वाराणसी ने किस प्रकार गंगा नदी की सफाई, स्वास्थ्य सेवाएं, सड़कें, बुनियादी ढांचा, पर्यटन, बिजली, युवा, खेल और किसान जैसे हर क्षेत्र में विकास की गति हासिल की है।

श्री मोदी ने यह घोषणा की कि गंगा कार्य योजना के तहत सीवेज उपचार संयंत्र परियोजना के नवीनीकरण का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने वाराणसी में घाटों की सजावट, प्रदूषण को कम करने के लिए सीएनजी की शुरुआत, दशाश्वमेध घाट पर पर्यटक प्लाजा जैसे बुनियादी ढांचा कार्यों को सूचीबद्ध किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गंगा नदी के लिए किए गए ये प्रयास काशी के लिए संकल्प भरे और नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करने वाले हैं। धीरे-धीरे यहां घाटों की स्थिति सुधर रही है। उन्होंने कहा कि गंगा घाटों की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण के साथ-साथ सारनाथ को भी एक नया स्वरूप प्राप्त हो रहा है। श्री मोदी ने कहा कि आज सारनाथ में शुरू किया गया लाइट एंड साउंड कार्यक्रम सारनाथ की भव्यता को बढ़ाएगा।

प्रधानमंत्री ने यह घोषणा की कि काशी के अधिकांश हिस्से को बिजली के लटकते तारों की समस्या से भी मुक्त किया जा रहा है। बिजली के तारों को भूमिगत बिछाने के कार्य का दूसरा चरण

आज पूरा हो गया है। इसके अलावा, स्मार्ट एलईडी लाइटें सड़कों को जगमग और सुंदर बनाएंगी।

श्री मोदी ने जोर दिया कि वाराणसी की कनेक्टिविटी हमेशा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि नए बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा रहा है ताकि काशी के लोग और पर्यटक यातायात जाम के कारण अपना समय बर्बाद न करें। उन्होंने कहा कि बाबतपुर को शहर से जोड़ने वाली सड़क भी वाराणसी की नई पहचान बन गई है। श्री मोदी ने वाराणसी हवाई अड्डे में दो पैसेंजर बोर्डिंग पुलों के शुभारंभ को अति आवश्यक बताते हुए कहा कि छह साल पहले वाराणसी हवाई अड्डे पर प्रतिदिन 12 उड़ानें होती थी, अब उड़ानों की संख्या बढ़कर प्रतिदिन 48 हो गई हैं। यहां रहने वाले और यहां आने वाले दोनों के जीवन को आसान बनाने के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचा बनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वाराणसी और पूर्वांचल के किसानों के लिए अंतर्राष्ट्रीय चावल संस्थान केन्द्र, मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट, पेरिशेबल कार्गो केन्द्र जैसी भंडारण से लेकर परिवहन तक की विभिन्न सुविधाएं जुटाई गई हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी सुविधाओं से किसानों को बहुत लाभ हो रहा है। श्री मोदी ने इस बात पर प्रसन्नता जताई कि इस साल पहली बार वाराणसी क्षेत्र से फलों, सब्जियों और धान का विदेशों को निर्यात किया गया हैं। उन्होंने कहा कि आज लॉन्च किया गया 100 मीट्रिक टन की भंडारण क्षमता वाला वेयरहाउस काशी में किसानों के लिए भंडारण सुविधाओं का विस्तार करेगा। उन्होंने कहा कि जांसा में बहुउद्देश्यीय बीज गोदाम और प्रसार केंद्र की शुरुआत की गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गांव के गरीब और किसान आत्मनिर्भर भारत अभियान के सबसे बड़े स्तंभ हैं और वे ही सबसे बड़े लाभार्थी भी हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में किए गए कृषि सुधार किसानों को सीधे ही लाभ पहुंचाने वाले हैं। श्री मोदी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत स्ट्रीट वेंडरों को आसान ऋण मिल रहे हैं, ताकि वे महामारी के बाद अपना काम फिर से शुरू कर सकें। प्रधानमंत्री ने कहा कि गांव में रहने वाले लोगों को उनकी जमीन और घरों पर कानूनी अधिकार प्रदान करने के लिए 'स्वामित्व योजना' शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत संपत्ति कार्ड जारी होने के बाद गांवों में संपत्ति विवाद की संभावना नहीं रहेगी। अब गांव के घर या जमीन पर बैंक से ऋण लेना आसान हो जाएगा। ■

अहमदाबाद में केवड़िया और साबरमती रिवरफ्रंट के बीच समुद्री विमान सेवा का उद्घाटन

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर को केवड़िया (गुजरात) में एक जलीय हवाई अड्डे और केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तथा साबरमती रिवरफ्रंट को जोड़ने के लिए समुद्री विमान सेवा का उद्घाटन किया। यह सुदूर क्षेत्रों तक जलीय हवाई अड्डे बनाने की शृंखला का हिस्सा है।

ऐसे समुद्री विमान पानी में उतर सकते हैं और वहीं से उड़ान भी भर सकते हैं और उन क्षेत्रों के लिए अधिक उपयोगी हैं, जहां जमीन पर उतरने या रनवे की सुविधा नहीं है और यह उन भौगोलिक क्षेत्रों से संपर्क करने की दिशा में मददगार हो सकते हैं, जहां दुर्गम क्षेत्रों की वजह से अनेक चुनौतियां हैं।

इस सुविधा से देश के दूर-दराज के क्षेत्र विमानन की मुख्यधारा में आ रहे हैं और यहां हवाई अड्डे तथा रनवे बनाने पर कुछ भी लागत नहीं आएगी। ऐसे छोटे पंखों वाले विमान जलीय क्षेत्रों जैसे झीलों, बांधों, अप्रवाही जल, बजरीयुक्त क्षेत्रों और घास भूमि पर भी उतर सकते हैं और अनेक पर्यटक क्षेत्रों में इनसे संपर्क सुविधा आसानी से मिल सकती है।

'विचारधारा राष्ट्रहित में हो, इसके खिलाफ कतई नहीं'

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 नवंबर को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जेएनयू में लगी स्वामीजी की प्रतिमा सभी को प्रेरित करे, ऊर्जा से भरे। यह प्रतिमा वह साहस दे, जिसे स्वामी विवेकानंद प्रत्येक व्यक्ति में देखना चाहते थे। यह प्रतिमा वो करुणा भाव सिखाए, जो स्वामी जी के दर्शन का मुख्य आधार है।

श्री मोदी ने कहा कि यह प्रतिमा हमें राष्ट्र के प्रति अगाध समर्पण सिखाए, प्रेम सिखाए जो स्वामी जी के जीवन का सर्वोच्च संदेश है। यह प्रतिमा देश को 'विजन ऑफ वननेस' के लिए प्रेरित करे, जो स्वामी जी के चिंतन की प्रेरणा रहा है। यह प्रतिमा देश को यूथ-लेड डेवलपमेंट के विजन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करे, जो स्वामी जी की अपेक्षा रही है। यह प्रतिमा हमें स्वामी जी के सशक्त-समृद्ध भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देती रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ एक प्रतिमा नहीं है बल्कि ये उस विचार की ऊंचाई का प्रतीक है जिसके बल पर एक संन्यासी ने पूरी दुनिया को भारत का परिचय दिया। उनके पास वेदान्त का अगाध ज्ञान था। उनके पास एक विजन था। वह जानते थे कि भारत दुनिया को क्या दे सकता है। वह भारत के विश्व-बंधुत्व के संदेश को लेकर दुनिया में गए।

• यह सिर्फ एक प्रतिमा नहीं है बल्कि ये उस विचार की ऊंचाई का प्रतीक है जिसके बल पर एक संन्यासी ने पूरी दुनिया को भारत का परिचय दिया।

उन्होंने कहा कि किसी एक बात जिसने हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया है- वह है राष्ट्रहित से ज्यादा प्राथमिकता अपनी विचारधारा को देना। क्योंकि मेरी विचारधारा ये कहती है, इसलिए देशहित के मामलों में भी मैं इसी सांचे में सोचूंगा, इसी दायरे में काम करूंगा, यह रास्ता सही नहीं है, ये गलत है।

श्री मोदी ने कहा कि आज हर कोई अपनी विचारधारा पर गर्व करता है। ये स्वाभाविक भी है, लेकिन फिर भी हमारी विचारधारा राष्ट्रहित के विषयों में राष्ट्र के साथ नजर आनी चाहिए, राष्ट्र के खिलाफ कतई नहीं। उन्होंने कहा कि आप देश के इतिहास में देखिए, जब-जब देश के सामने कोई कठिन समस्या आई है, हर विचार, हर विचारधारा के लोग राष्ट्रहित में एक साथ आए हैं। आज़ादी की लड़ाई में महात्मा गांधी के नेतृत्व में हर विचारधारा के लोग एक साथ आए थे। उन्होंने देश के लिए एक साथ संघर्ष किया था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का युवा ही दुनियाभर में ब्रांड इंडिया का ब्रांड अम्बैसडर हैं। हमारे युवा भारत की संस्कृति और परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए आपसे अपेक्षा सिर्फ हज़ारों वर्षों से चली आ रही भारत की पुरातन पहचान पर गर्व करने भर की ही नहीं है, बल्कि 21वीं सदी में भारत की नई पहचान गढ़ने की भी है। श्री मोदी ने कहा कि अतीत में हमने दुनिया को क्या दिया ये याद रखना और ये बताना हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाता है। इसी आत्मविश्वास के बल पर हमें भविष्य पर काम करना है। भारत 21वीं सदी की दुनिया में क्या योगदान करेगा, इसके लिए नया (innovate) करना हम सभी का दायित्व है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब-जब भारत की सामर्थ्य बढ़ी है, तब-तब उससे दुनिया को लाभ हुआ है। भारत की आत्मनिर्भरता में 'आत्मवत् सर्व-भूतेषु' की भावना जुड़ी हुई है, पूरे संसार के कल्याण की सोच जुड़ी हुई है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जेएनयू के वाइस चांसलर प्रोफेसर जगदीश कुमार, प्रो. वाइस चांसलर प्रोफेसर आर.पी.सिंह, जेएनयू के पूर्व छात्र डॉ. मनोज कुमार और मूर्तिकार श्री नरेश कुमावत को भी बधाई दी। ■

खरीदारी के समय स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें: नरेन्द्र मोदी

अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 70वीं कड़ी में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कोरोना के इस संकट काल में हमें संयम से ही काम लेना है, मर्यादा में ही रहना है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अक्टूबर को देशवासियों से त्योहारों के मौसम में बाजार से खरीदारी करते समय स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने का आह्वान करते हुए आग्रह किया कि वे कोरोना वायरस के इस संकट काल में संयम से काम लें और मर्यादा में रहें।

श्री मोदी ने देशवासियों से यह अनुरोध भी किया कि त्योहारों के इस मौसम में वे जब भी अपने घरों में दीया जलाएं तो एक दीया देश के उन वीर जवानों के नाम जलाएं, जो सरहदों पर देश की सुरक्षा में लगे हैं।

उन्होंने कहा कि त्योहारों की ये उमंग और बाजार की चमक, एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, लेकिन इस बार जब आप खरीदारी करने जायें तो 'वोकल फॉर लोकल' का अपना संकल्प अवश्य याद रखें। बाजार से सामान खरीदते समय, हमें स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देनी है।

श्री मोदी ने कहा कि बच्चों में तो त्योहारों को लेकर विशेष उत्साह रहता है कि इस बार त्योहार पर नया क्या मिलने वाला है? उन्होंने कहा कि जब त्योहार की बात करते हैं, तैयारी करते हैं, तो सबसे पहले मन में यही आता है, कि बाजार कब जाना है? क्या-क्या खरीदारी करनी है? कोरोना के इस संकट काल में हमें संयम से ही काम लेना है, मर्यादा में ही रहना है।

- **जब भी अपने घरों में दीया जलाएं तो एक दीया देश के उन वीर जवानों के नाम जलाएं, जो सरहदों पर देश की सुरक्षा में लगे हैं।**
- **जब आप खरीदारी करने जायें तो 'वोकल फॉर लोकल' का अपना संकल्प अवश्य याद रखें।**

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के कई स्थानीय उत्पादों में वैश्विक होने की बहुत बड़ी शक्ति है और उनमें एक है खादी। कोरोना के समय में खादी के मास्क भी बहुत प्रचलित हो रहे हैं और देशभर में कई जगह स्व-सहायता समूह और दूसरी संस्थाएं खादी के मास्क बना रहे हैं।

उन्होंने बताया कि राजधानी दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित खादी स्टोर में इस बार गांधी जयंती पर एक ही दिन में एक करोड़ रुपये से ज्यादा की खरीदारी हुई।

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी की महिला सुश्री सुमन देवी का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने स्व सहायता समूह की अपनी साथी महिलाओं के साथ मिलकर खादी मास्क बनाना शुरू किया और धीरे-धीरे उनके साथ अन्य महिलाएं भी जुड़ती चली गईं। उन्होंने कहा कि अब वे सभी मिलकर हजारों खादी मास्क बना रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि त्योहारों के मौसम में सरहदों की रक्षा कर रहे सैनिकों को भी याद रखना है। उन्होंने कहा कि वे भारत-माता की सेवा और सुरक्षा कर रहें हैं। हमें उनको याद करके ही अपने त्योहार मनाने हैं। घर में एक दीया भारत माता के वीर बेटे-बेटियों के सम्मान में भी जलाना है। मैं अपने वीर जवानों से भी कहना चाहता हूं कि आप भले ही सीमा पर हैं, लेकिन पूरा देश आपके साथ है। आपके लिए कामना कर रहा है।

अनेक देशों में प्रचलित हो रहा है हमारा मलखम्ब

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जब हमें अपनी चीजों पर गर्व होता है, तो दुनिया में भी उनके प्रति जिज्ञासा बढ़ती है। जैसे हमारे अध्यात्म ने, योग ने, आयुर्वेद ने, पूरी दुनिया को आकर्षित किया है। हमारे कई खेल भी दुनिया को आकर्षित कर रहे हैं। आजकल हमारा मलखम्ब भी अनेक देशों में प्रचलित हो रहा है। अमेरिका में चिन्मय पाटणकर और प्रज्ञा पाटणकर ने जब अपने घर से ही मलखम्ब सिखाना शुरू किया था, तो उन्हें भी अंदाजा नहीं था कि इसे इतनी सफलता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में आज कई स्थानों पर मलखम्ब ट्रेनिंग सेंटर्स चल रहे हैं। बड़ी संख्या में अमेरिका के युवा इससे जुड़ रहे हैं, मलखम्ब सीख रहे हैं। आज जर्मनी हो, पोलैंड हो, मलेशिया हो, ऐसे करीब 20 अन्य देशों में भी मलखम्ब खूब लोकप्रिय हो रहा है। अब तो इसकी वर्ल्ड चैंपियनशिप शुरू की गई है, जिसमें, कई देशों के प्रतिभागी हिस्सा लेते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में तो प्राचीन काल से कई ऐसे खेल रहे हैं, जो हमारे भीतर एक असाधारण विकास करते हैं। हमारे मस्तिष्क और शरीर संतुलन को एक नए आयाम पर ले जाते हैं, लेकिन संभवतः नई पीढ़ी के हमारे युवा साथी मलखम्ब से उतना परिचित ना हों। आप इसे इन्टरनेट पर जरूर सर्च करिए और देखिये। ■

आडवाणीजी भाजपा कार्यकर्ताओं एवं देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं: नरेन्द्र मोदी

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी के जन्मदिन (8 नवम्बर) पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह समेत भाजपा के कई नेता उनके निवास पर जाकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि वह भाजपा कार्यकर्ताओं एवं देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। श्री आडवाणी 8 नवम्बर को 93 वर्ष के हो गए।

श्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ देश के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले श्रद्धेय श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। वे पार्टी के करोड़ों कार्यकर्ताओं के साथ ही देशवासियों के प्रत्यक्ष प्रेरणास्रोत हैं। मैं उनकी लंबी आयु और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने श्री आडवाणी से मुलाकात की अपनी तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि उनके सानिध्य में वक्त बिताकर आनंद मिलता है। मेरे जैसे कार्यकर्ताओं के लिए आडवाणी जी का समर्थन और मार्गदर्शन अमूल्य है। राष्ट्र निर्माण में उनका बहुत बड़ा योगदान है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि आज आदरणीय लालकृष्ण आडवाणी जी के जन्मदिवस के अवसर पर उनके आवास पर उनसे भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। ईश्वर से प्रार्थना है कि वो सदैव स्वस्थ रहें और दीर्घायु हों। उन्होंने कहा कि राजनीति में अपने समर्पण व सिद्धांतों से करोड़ों कार्यकर्ताओं के आदर्श, देश के पूर्व उप-प्रधानमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता आदरणीय श्री लालकृष्ण आडवाणी जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। ईश्वर से आपके आरोग्य एवं दीर्घायु की प्रार्थना करता हूं। ■

कमल संदेश परिवार की ओर से श्री लालकृष्ण आडवाणी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनायें!

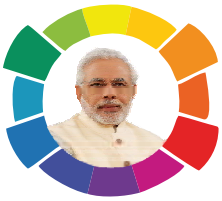

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

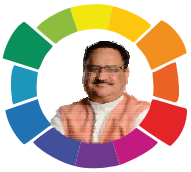

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

नई दिल्ली में भारत–इटली वर्चुअल शिखर सम्मेलन को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कटक स्थित आयकर अपीलीय अधिकरण (आईटीएटी) के अत्याधुनिक कार्यालय सह–आवासीय परिसर के उद्घाटन अवसर पर संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

गुजरात स्थित केवड़िया में सरदार वल्लभभाई पटेल प्राणी उद्यान के उद्घाटन के बाद भ्रमण करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

गुजरात स्थित केवड़िया में सरदार वल्लभभाई पटेल प्राणी उद्यान के उद्घाटन के बाद जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-20